दैनिक

बुद्ध का संदेश

हिन्दी समाचार पत्र

एक विश्वास....

रोरिंग स्टार श्रीमुरली की धमाकेदार एंट्री, ...8

सिद्धार्थनगर

सोमवार ,20 जुलाई 2026

वर्ष: 13 अंक :211 पृष्ठ: 8

आमंत्रण मूल्य 2/–रुपया

लखनऊ, कानपुर, कन्नौज, बरेली, सीतापुर, सोनभद्र, गोण्डा, बाराबंकी, बलरामपुर, श्रावस्ती, बहराइच, अम्बेडकरनगर, फैजाबाद, बस्ती, संतकबीरनगर, गोरखपुर, कुशीनगर, देवरिया, महराजगंज, रामपुर, रायबरेली, सिद्धार्थनगर में एक साथ प्रसारित।

सम्पादक : राजेश शर्मा

दैनिक बुद्ध का संदेश 8795951917, 9415163471 @budhakasandesh budhakasandeshnews@gmail.com www.budhakasandesh.com

उत्तर प्रदेश सरकार एवं भारत सरकार (DAVP) से सरकारी विज्ञापनों के लिए मान्यता प्राप्त

अमित शाह ने जम्मू–कश्मीर में बाढ़ का जायजा लिया

उपराज्यपाल और मुख्यमंत्री को हर संभव मदद का भरोसा दिलाया

श्रीनगर। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को जम्मू–कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा और मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला के साथ लगातार भारी बारिश से पैदा हुई बाढ़ की स्थिति की समीक्षा के लिए उच्च–स्तरीय बैठक की। राजौरी जिले में अचानक आई बाढ़ के बाद, शाह ने इमरजेंसी राहत और बचाव कार्यों के लिए केंद्र शासित प्रदेश के प्रशासन से संपर्क किया। ग पर एक पोस्ट में उन्होंने भरोसा दिलाया कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने भारी बारिश से पैदा हुए हालात के बारे में जम्मू–कश्मीर के उप–राज्यपाल मनोज सिन्हा और मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला से बात की और उन्हें केंद्र सरकार की ओर से हर संभव मदद का भरोसा दिलाया। राजौरी के मुरादपुर इलाके में तेजी से बढ़ते पानी के स्तर के कारण फँसे दो लोगों को इमरजेंसी रेस्पॉन्डर ने सफलतापूर्वक बचा लिया। डिप्टी कमिश्नर अभिषेक शर्मा ने कहा कि भारी बारिश के कारण अचानक आई बाढ़ में फँसने के बाद, राजौरी के मुरादपुर में नदी से दो लोगों को सुरक्षित बचा लिया गया। बचाव दलों ने उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए तुरंत कार्रवाई की। जिला प्रशासन ने लोगों को सलाह दी है कि वे नदियों, नालों और बाढ़ की आशंका वाले इलाकों में जाने से बचें, क्योंकि लगातार बारिश की वजह से पानी का स्तर खतरनाक रूप से बढ़ा हुआ है। अभिषेक शर्मा ने कहा कि अधिकारियों ने लोगों से अपील की है कि वे सरकारी सलाह का पालन करें और जब तक मौसम और बाढ़ की स्थिति में सुधार न हो, तब तक गैर–जरूरी यात्रा से बचें। पानी का स्तर अचानक बढ़ने के कारण तवी नदी के बीच में फँसे स्थानीय युवाओं को बचाने के लिए अधिकारियों ने बचाव अभियान भी चलाया। जम्मू पुलिस और नेशनल डिजास्टर रिस्पॉन्स फोर्स ने फँसे हुए लोगों को तुरंत सुरक्षित बाहर निकाला। राजौरी और आस–पास के इलाकों में अचानक आई जबरदस्त बाढ़ और भारी बारिश के बाद, मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने आपातकालीन राहत कार्यों की निगरानी के लिए एक उच्च–स्तरीय समीक्षा शुरू की। एक्स पर एक पोस्ट में उन्होंने लिखा कि आज सुबह से ही मैं जम्मू के कुछ हिस्सों, खासकर राजौरी शहर और आस–पास के इलाकों में बहुत ज़्यादा बारिश से पैदा हुए हालात पर बारीकी से नजर रख रहा हूँ।

मायावती की मांग: मानसून सत्र में महंगाई, बेरोजगारी और महिलाओं की सुरक्षा पर हो बात

लखनऊ। बहुजन समाज पार्टी की नेता मायावती ने 20 जुलाई से शुरू होने वाले मॉनसून सत्र के दौरान संसद के सुचारू कामकाज का आह्वान किया है और सत्ता पक्ष तथा विपक्ष दोनों से राजनीतिक मतभेदों से ऊपर उठकर राष्ट्रीय महत्व के अहम मुद्दों पर ध्यान देने का आग्रह किया है। सत्र से पहले ग पर एक पोस्ट में मायावती ने कहा कि देश यह देख रहा है कि क्या संसद में सार्थक चर्चा होगी या बार–बार कार्यवाही स्थगित होने और हंगामे की वजह से कामकाज में बाधा आएगी। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि महंगाई, गरीबी, बेरोजगारी, महिलाओं की सुरक्षा और प्रतियोगी परीक्षाओं में पेपर लीक जैसे मुद्दों पर गंभीर बहस और समाधान की जरूरत है। उन्होंने कहा कि अब जबकि संसद का मॉनसून सत्र कल, 20 जुलाई से शुरू होने जा रहा है, तो एक बार फिर देश और आम लोगों के मन में यह चिंता है कि क्या यह सत्र भी हंगामे, स्थगन और अव्यवस्था की भेंट चढ़ जाएगा, या फिर देश के ज्वलंत मुद्दों दृ जैसे बेतहाशा महंगाई, गरीबी, बेरोजगारी, महिलाओं की असुरक्षा, अहम परीक्षाओं में पेपर लीक वगैरह दृ से पैदा हुए तनावपूर्ण, आक्रोशित और उत्तेजित माहौल को शांत करने और उनका संतोषजनक समाधान निकालने की कोई गंभीर कोशिश की जाएगी। मायावती ने अयोध्या के श्री राम मंदिर में चढ़ावे की कथित चोरी और कुप्रबंधन से जुड़े विवाद पर भी बात की। उन्होंने कहा कि इस मुद्दे से जनता में भारी आक्रोश है और सत्र के दौरान यह एक बड़ा मुद्दा बन सकता है।

सीएम योगी ने किया राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण भवन का लोकार्पण

बोले– प्रभावी बनाना होगा अर्ली वार्निंग सिस्टम

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार 19 जुलाई को गोमती नगर विस्तार में शहीद पथ के किनारे उत्तर प्रदेश राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (न्ैक्ड।) के नवीन मुख्यालय भवन का लोकार्पण किया। इस भवन के निर्माण की लागत दो सौ करोड़ रुपये आई है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि आपदा प्रबंधन राष्ट्रीय कर्तव्य का हिस्सा होना चाहिए। इसके लिए सभी नागरिकों को जागरूक करना होगा। उन्होंने कहा आपदा प्रबंधन हर नागरिक की दिनचर्या में शामिल होना चाहिए। नवीन तकनीक और अर्ली वार्निंग सिस्टम के उपयोग से जन व धन हानि को बचाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि होमगार्ड स्वयं सेवकों की भर्ती में आपदा मित्रों को वरीयता दी जाएगी।

200 लोगों के प्रशिक्षण की व्यवस्था : 200 करोड़ रुपये की लागत से बने इस भवन में 200 लोगों के प्रशिक्षण की व्यवस्था की गई है। इसके साथ ही अत्याधुनिक कंट्रोल रूम स्थापित किया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश पहला राज्य है जिसने मानव एवं वन्य जीव संघर्ष को आपदा की श्रेणी में रखा है। सरकार ने पिछले दो वर्षों में बिजनौर से 80 तेंदुओं को विस्थापित किया है।

पहले से ही सतर्कता बरतने की जरूरतः अब किसी भी आपदा से होने वाली जन व धन की हानि को बचाया जा सकता है। हम लोग अक्सर आपदा के बाद सक्रिय होते हैं। आपदा के प्रति पहले से ही सतर्कता बरतने की जरूरत है। तैयारी व जागरूकता जन–धन की हानि को न्यूनतम स्तर तक ला सकती है। नियमित तौर पर जागरूकता के कार्यक्रम चलने चाहिए।

विद्यार्थियों व टीचरों में जागरूकता लानी होगीः उन्होंने कहा कि आपदा को लेकर हमें स्वयं के प्रशिक्षण पर ध्यान देने के साथ–साथ स्कूलों व कालेजों में विद्यार्थियों व टीचरों में जागरूकता लानी होगी। यह देश की बहुत बड़ी सेवा होगी। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि आकाशीय बिजली गिरने से पहले ही हम तकनीकि के माध्यम पता कर लें और लोगों को बता दें तो बचाव संभव है।

वंदे मातरम के अपमान पर तीन साल की जेल, सोमवार को राज्यसभा में अमित शाह पेश करेंगे विधेयक

नई दिल्ली। सांस्कृतिक राष्ट्रवाद को हमेशा अपने राजनीतिक एजेंडे में लेकर चली भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार राष्ट्रीय गौरव अपमान निवारण अधिनियम– 1971 में महत्वपूर्ण बदलाव करने की तैयारी में है। इस मूल अधिनियम में संशोधन करते हुए संशोधित विधेयक में वंदे मातरम को भी शामिल किया गया है, जिसका अपमान करने पर तीन साल की सजा या जुर्माना या दोनों का प्रविधान होगा। देश के राजनीतिक माहौल को गर्माते रहे राष्ट्रीय गीत से संबंधित इस विधेयक को गृह मंत्री अमित शाह संसद के मानसून सत्र के पहले दिन ही राज्य सभा में पेश करने वाले हैं। जिस तरह से इस मुद्दे पर अधिकतर विपक्षी दलों का रुख रहा है, उससे चर्चा में टकराव और गर्म बहस के पूरे आसार हैं।

कांग्रेस का बड़ा आरोप: जयराम रमेश बोले– परिसीमन विधेयक पर प्लांटेड खबरें फैलाई जा रही

नई दिल्ली। कांग्रेस के कम्युनिकेशन इंचार्ज और महासचिव जयराम रमेश ने उन खबरों को खारिज कर दिया जिनमें दावा किया गया था कि संसद के मॉनसून सत्र से पहले रविवार को हुई सर्वदलीय बैठक में प्रस्तावित परिसीमन विधेयक का समर्थन किया गया था। उन्होंने इन खबरों को बेबुनियाद और फर्जी बताया। ग पर एक पोस्ट में, रमेश ने आरोप लगाया कि कुछ टीवी चौनल ऐसी खबरें दिखा रहे हैं जो साफ तौर पर प्लांटेड हैं और जिनमें कहा गया है कि बैठक के दौरान परिसीमन विधेयक का समर्थन किया गया। रमेश ने अपने पोस्ट में कहा कि कुछ टीवी चौनल साफ तौर पर प्लांटेड खबरें दिखा रहे हैं कि चल रही सर्वदलीय बैठक में परिसीमन विधेयक का समर्थन किया गया है। यह पूरी तरह से बेबुनियाद और फर्जी खबर है। केंद्र सरकार ने संसद के मॉनसून सत्र की शुरुआत से एक दिन पहले आज सर्वदलीय बैठक बुलाई थी। इस बैठक का मकसद दोनों सदनों के सुचारू कामकाज के लिए राजनीतिक दलों का सहयोग मांगना और सरकार के विधायी एजेंडे पर चर्चा करना था। रविवार को केंद्र सरकार द्वारा बुलाई गई सर्वदलीय बैठक से विपक्षी दलों ने सांकेतिक वॉकआउट किया। उन्होंने संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू द्वारा श्नेशनल सिटिजन्स पार्टी ऑफ इंडिया को बैठक में शामिल होने के लिए बुलाए जाने का विरोध किया।

टीईटी अनिवार्यता के खिलाफ शिक्षकों का देशव्यापी आंदोलन तेज, सांसदों से अध्यादेश की मांग

लखनऊ। शिक्षक पात्रता परीक्षा (टीईटी) अनिवार्यता के मुद्दे पर देशभर के प्राथमिक शिक्षक आंदोलन तेज करने की तैयारी में हैं। सुप्रीम कोर्ट के फैसले को करीब एक वर्ष होने के बाद भी केंद्र सरकार की ओर से कोई ठोस कदम नहीं उठाए जाने से शिक्षकों में नाराजगी है। इसी के तहत अखिल भारतीय प्राथमिक शिक्षक संघ (एआईपीटीएफ) ने सभी राज्यों की अपनी इकाइयों को सांसदों से मिलकर ज्ञापन सौंपने के लिए कहा है। संसद के मानसून सत्र में प्राथमिक शिक्षकों के पक्ष में कोई सकारात्मक निर्णय नहीं लिया तो देशभर के शिक्षक दिल्ली कूच करने के लिए मजबूर होंगे। उधर, कुछ शिक्षक संगठनों ने लखनऊ में भी रैली आयोजित करने की घोषणा की है। संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुशील कुमार पांडेय ने कहा कि देशभर के लगभग 25 लाख प्राथमिक शिक्षकों की सेवा सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए सभी राज्य इकाइयों के पदाधिकारी अपने–अपने क्षेत्र के सांसदों से मिलें। यदि सांसद अपने क्षेत्र में हों तो उनके आवास पर बड़ी संख्या में पहुंचकर ज्ञापन दें और यदि वे संसद के मानसून सत्र के दौरान दिल्ली में हों तो वहां जाकर उनसे मुलाकात करें। ज्ञापन के माध्यम से सांसदों को टीईटी अनिवार्यता से शिक्षा व्यवस्था पर पड़ने वाले संभावित दुष्परिणामों और भावी पीढ़ी के भविष्य पर पड़ने वाले असर से अवगत कराया जाएगा।

NCPI NDA की दूसरी सबसे बड़ी पार्टी, मान्यता मिले: बागी तृणमूल कांग्रेस सांसद सुदीप बंद्योपाध्याय की मांग

नई दिल्ली। संसद के मॉनसून सत्र से पहले हुई सर्वदलीय बैठक के बाद, बागी तृणमूल कांग्रेस सांसद सुदीप बंद्योपाध्याय ने रविवार को कहा कि उनके गुट ने नेशनलिस्ट कांग्रेस पार्टी (इंडिया) के लिए औपचारिक मान्यता की मांग की है। उनका दावा है कि यह नेशनल डेमोक्रेटिक अलायंस में दूसरी सबसे बड़ी पार्टी है। पत्रकारों से बात करते हुए बंद्योपाध्याय ने कहा कि NCPI को मान्यता दिलाने के लिए लोकसभा स्पीकर ओम बिरला को एक पत्र सौंपा जाएगा। बंद्योपाध्याय ने कहा कि आज, NCPI NDA में दूसरी सबसे बड़ी पार्टी है। यह चंद्रबाबू नायडू और नीतीश कुमार की पार्टियों से बड़ी है। हमने मांग की है कि चुनाव आयोग NCPI को मान्यता दे। वह पत्र स्पीकर के सामने पेश किया जाना है और वह कागज यहाँ है। काकोली इसे सौंपने जा रही हैं। यह घटनाक्रम तब हुआ जब विपक्षी दलों ने सर्वदलीय बैठक से कुछ देर के लिए वॉकआउट किया। विपक्ष ने शुरू में NCPI को सरकार के निमंत्रण का विरोध करते हुए बैठक छोड़ी थी, लेकिन कुछ मिनटों बाद वे वापस लौट आए। कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने कहा कि बागी टीएमसी सांसदों का मामला – जो दावा करते हैं कि वे NCPI में शामिल हो गए हैं – अभी भी लोकसभा स्पीकर ओम बिरला के पास लंबित है। रमेश ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि सभी विपक्षी दलों ने सर्वदलीय बैठक से कुछ मिनटों के लिए वॉकआउट किया। यह मोदी सरकार के NCPIको आमंत्रित करने के फैसले के विरोध में थाय NCPIउन 20 बागी टीएमसी सांसदों के लिए एक ठिकाना है, जिनके मामले पर स्पीकर का अंतिम फैसला अभी बाकी है।

राम मंदिर चंदे की चोरी पर राहुल और खड़गे ने पीएम को लिखा पत्र, कहा– आपकी चुप्पी मंजूर नहीं

नई दिल्ली। अयोध्या राम मंदिर में दान की कथित चोरी को लेकर मचे विवाद के बीच, कांग्रेस नेता राहुल गांधी और मल्लिकार्जुन खड़गे ने रविवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के वित्तीय मामलों की जांच की मांग की। उन्होंने कहा कि अपनी मेहनत की कमाई आस्था के साथ दान करने वाले लाखों श्रद्धालु चोरी से ठगा हुआ महसूस कर रहे हैं। संसद के दोनों सदनों में विपक्ष के नेताओं ने अपने पत्र में कहा कि आप श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट में हजारों करोड़ रुपये की चोरी के बारे में जानते हैं। जिन लाखों श्रद्धालुओं ने आस्था, भक्ति और भरोसे के साथ अपनी मेहनत की कमाई दान की थी, वे इस चोरी से खुद को ठगा हुआ महसूस कर रहे हैं। उन्होंने प्रधानमंत्री से कहा कि उन्होंने सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों पर संसद में ट्रस्ट बनाने की घोषणा की थी, लेकिन इसके सदस्य पूरी तरह से उनकी सरकार ने ही नियुक्त किए थे। उन्होंने कहा कि आपने भारत के सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों पर संसद में ट्रस्ट बनाने की घोषणा की थी, लेकिन इसके सदस्य पूरी तरह से आपकी सरकार ने ही नियुक्त किए हैं। यह बात सबको पता है कि ट्रस्ट के सदस्य ै टप्च् और उनसे जुड़े संगठनों से जुड़े हुए हैं। इसके बदनाम पूर्व जनरल सेक्रेटरी भी आपके करीबी सहयोगी थे। कांग्रेस नेताओं ने कहा कि इस मुद्दे पर प्रधानमंत्री की चुप्पी स्वीकार्य नहीं है और उनसे जवाबदेही तय करने और भरपाई सुनिश्चित करने की मांग की। कांग्रेस नेताओं ने कहा कि ऐसे अपराध के मामले में आपकी चुप्पी मंजूर नहीं है। जवाबदेही तय करना और नुकसान की भरपाई सुनिश्चित करना आपकी जिम्मेदारी है।

सफदरजंग अस्पताल पर भरोसा नहीं, हाई कोर्ट पहुंचीं सोनम वांगचुक की पत्नी, कहीं और शिफ्ट करने की मांग

सोनम वांगचुक की पत्नी गीतांजलि जे. आंग्मो ने रविवार को हाई कोर्ट में याचिका दायर कर उन्हें अपनी पसंद के प्राइवेट अस्पताल में शिफ्ट करने की इजाजत मांगी। उन्होंने सफदरजंग अस्पताल की ओर से वांगचुक की सेहत के बारे में दी गई मेडिकल जानकारी में गड़बड़ी का आरोप लगाया। उन्होंने अस्पताल के आकलन पर सवाल उठाए और कहा कि परिवार चाहता है कि वांगचुक की सेहत और बिगड़ने से पहले इस मामले पर जल्द सुनवाई हो। एक्स पर एक पोस्ट में, आंग्मो ने कहा कि सफदरजंग सरकारी अस्पताल से उनका भरोसा उठ गया है। उन्होंने आरोप लगाया कि अस्पताल ने परिवार को बताया कि वांगचुक का पोटैशियम लेवल गिरकर 2.9 हो गया है, जिसे चिंताजनक और जानलेवा बताया गया। उन्होंने दावा किया कि अस्पताल के पब्लिक हेल्थ बुलेटिन में असल आंकड़े का जिक्र नहीं था और सिर्फ पोटैशियम लेवल घटने की बात कही गई थी। उन्होंने कहा कि सफदरजंग सरकारी अस्पताल से मेरा भरोसा उठ गया है। अस्पताल ने हमें बताया कि सोनम वांगचुक का पोटैशियम लेवल गिरकर 2.9 हो गया है, जिसे उन्होंने चिंताजनक और जानलेवा बताया। फिर भी, अपने पब्लिक हेल्थ बुलेटिन में उन्होंने जान–बूझकर असल आंकड़ा नहीं बताया और सिर्फ पोटैशियम लेवल घटने का जिक्र किया। एक स्वतंत्र लैब टेस्ट में यह लेवल 3.5 पाया गया, जो नॉर्मल रेंज के अंदर है। आंग्मो ने आगे आरोप लगाया कि बार–बार अनुरोध करने के बावजूद, अस्पताल ने वांगचुक को डिस्चार्ज करने या परिवार को उन्हें किसी प्राइवेट अस्पताल में ले जाने की अनुमति देने से इनकार कर दिया।

स्पीकर के फैसले पर बवाल: टीएमसी और शिवसेना के बागी सांसदों को मान्यता, विपक्ष ने सर्वदलीय बैठक से किया वॉकआउट

नई दिल्ली। संसद के मॉनसून सत्र से पहले बुलाई गई सर्वदलीय बैठक से रविवार को विपक्ष ने वॉकआउट किया। उन्होंने स्पीकर के उस फैसले का विरोध किया जिसमें तृणमूल कांग्रेस और शिवसेना के बागी सांसदों को बैठक में बुलाया गया था। यह घटनाक्रम तब हुआ जब लोकसभा स्पीकर ओम बिरला ने शिवसेना के छह सांसदों के, महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना में विलय को मंजूरी दे दी। साथ ही, उन्होंने TMC के उन 20 बागी सांसदों के लिए अलग बैठने की व्यवस्था की मंजूरी भी दी, जो NCPI नाम की एक कम जानी–पहचानी पार्टी में शामिल हो गए हैं।

विपक्ष का रुख बताते हुए कांग्रेस सांसद प्रमोद तिवारी ने कहा कि पार्टियों ने विरोध स्वरूप बैठक का बहिष्कार करने का सामूहिक फैसला किया। उन्होंने कहा कि विपक्ष ने TMC और शिवसेना के बागी सांसदों के बारे में स्पीकर के फैसले के विरोध में सर्वदलीय बैठक से वॉकआउट करने का फैसला किया। ज्डब् सांसद महुआ मोइत्रा ने कहा कि आज कांग्रेस, समाजवादी पार्टी, **DMK, JMM**, आम आदमी पार्टी, नेशनल कॉन्फ्रेंस, वामपंथी पार्टियां और शिवसेना समेत पूरे विपक्ष ने सर्वदलीय बैठक से विरोध स्वरूप वॉकआउट किया। ऐसा इसलिए किया गया क्योंकि तथाकथित NCPI (जो एक गैर–मान्यता प्राप्त पार्टी है) के सदस्यों को मिलाकर, टेबल ऑफिस द्वारा दी गई सूची में ऑल इंडिया तृणमूल कांग्रेस की सदस्य संख्या 28 दिखाई गई है। उन्होंने कहा कि इन तथाकथित बागी 20 सांसदों के विलय को स्पीकर ने मंजूरी नहीं दी है।

रालोद की बैठक में बूथ स्तर पर संगठन के मजबूती जोर आगामी विधानसभा चुनाव के लिये बनी रणनीति

दैनिक बुद्ध का संदेश

बस्ती। राष्ट्रीय लोक दल की मासिक बैठक रविवार को प्रेस क्लब में जिलाध्यक्ष महिपाल पटेल की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक में संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करने, अधिक से अधिक लोगों को पार्टी से जोड़ने तथा वर्ष 2027 के विधानसभा चुनाव की तैयारियों को लेकर विस्तृत रणनीति बनाई गई।

बैठक को मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित करते हुए प्रदेश उपाध्यक्ष रजनीश मिश्र ने कहा कि संगठन की मजबूती ही पार्टी की सबसे बड़ी ताकत है। उन्होंने कार्यकर्ताओं का आह्वान किया कि वे राष्ट्रीय लोक दल की विचारधारा को जन–जन तक पहुंचाएं और बूथ स्तर तक संगठन को सशक्त बनाकर वर्ष 2027 के विधानसभा चुनाव में पार्टी को मजबूत स्थिति में पहुंचाने का संकल्प लें।बैठक का संचालन करते हुये क्षेत्रीय अध्यक्ष विवेक चौधरी ने कहा कि प्रत्येक कार्यकर्ता पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ संगठन विस्तार में जुटे और राष्ट्रीय अध्यक्ष जयंत चौधरी के हाथों को मजबूत करने का कार्य करे।विशिष्ट अतिथि राष्ट्रीय सचिव राजा ऐश्वर्या राज सिंह ने कहा कि कार्यकर्ताओं की ताकत से ही राजनीतिक, सामाजिक लक्ष्य पूरे होंगे। मण्डल अध्यक्ष राधेश्याम चौधरी ने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह के विचार आज भी प्रासंगिक हैं।

उनके सिद्धांतों और किसान हितैषी सोच को जन–जन तक पहुंचाना ही राष्ट्रीय लोक दल का उद्देश्य है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से आगामी विधानसभा चुनाव को ध्यान में रखते हुए अभी से संगठनात्मक गतिविधियों को तेज करने का आह्वान किया।प्रदेश महासचिव अरुणेन्द्र पटेल ने कहा कि रालोद मजबूत हुई तो नौजवानों, किसानों का सपना साकार होगा। पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह के अधूरे सपनों को पूरा करने का हम सबका लक्ष्य होना चाहिये।बैठक के दौरान संगठन की समीक्षा भी की गई तथा बूथ स्तर पर नई समितियों के गठन, सदस्यता अभियान को गति देने और गांव–गांव तक पार्टी की नीतियों को पहुंचाने पर विस्तार से चर्चा हुई। इसी कड़ी में रालोद के अध्यक्ष महिपाल पटेल का पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं ने फूल मालाओं के साथ स्वागत किया।इस अवसर पर क्षेत्रीय महासचिव अरुण कुमार चौधरी, महिला प्रकोष्ठ जिलाध्यक्ष गीता वर्मा, अभय पटेल, नागेन्द्र कुमार, शिवकुमार गौतम, इन्द्र बहादुर यादव, राजेश कुमार गुप्ता, अविनाश वर्मा, शिवम पटेल, मुकेश यादव, राम सुमेर, राम जगत, देवेंद्र प्रताप चौधरी, भूपेंद्र प्रताप, ओंकारनाथ चौधरी, राजेश कुमार, राहुल यादव, आशीष चौधरी, रामकमल, महेन्द्र यादव, धर्मेंद्र कुमार चौधरी, विश्वनाथ यादव, श्रीराम चौधरी, राज वर्मा, राहुल वर्मा, अंकुर श्रीवास्तव, राहुल कुमार सोनकर, मुकेश विश्वकर्मा, अटल चौधरी, छठीलाल चौधरी, राज चौधरी, अजय चौरसिया, राम सजीवन द्विवेदी, सीपी चौधरी, दिलीप चौधरी, राम.पाल चौधरी, रजनीकांत मिश्र, मुन्नीलाल, उमा चौधरी, मंजू देवी, उषा देवी, रंजना देवी, रीता, बसंती, सुरेश, चंद्रावती, विजय कुमार, इरफान अहमद, विजयपाल, राधेश्याम चौधरी, विवेक श्रीवास्तव सहित बड़ी संख्या में पार्टी पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

नीट-2026 में उर्मिला एजुकेशनल एकेडमी की छात्रा हुसा अनवर का शानदार प्रदर्शन

दैनिक बुद्ध का संदेश

बस्ती। उर्मिला एजुकेशनल एकेडमी की छात्रा हसा अनवर ने राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट–यूजी) 2026 में 99.23 प्रतिशतक (पर्सेंटाइल) प्राप्त कर विद्यालय तथा जनपद का गौरव बढ़ाया है।छात्रा की इस उल्लेखनीय सफलता पर विद्यालय में हर्ष का वातावरण है। विद्यालय प्रबंधन ने बताया कि हसा अनवर ने कठिन परिश्रम, नियमित अध्ययन, अनुशासित दिनचर्या तथा शिक्षकों के कुशल मार्गदर्शन के बल पर यह सफलता अर्जित की है।विद्यालय के प्रधानाचार्य, शिक्षकगण एवं समस्त स्टाफ ने हसा अनवर को इस उपलब्धि पर हार्दिक बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। विद्यालय प्रबंधन ने कहा कि उनकी यह सफलता अन्य विद्यार्थियों के लिए प्रेरणास्रोत है और यह संदेश देती है कि लगन, मेहनत एवं आत्मविश्वास से हर लक्ष्य प्राप्त किया जा सकता है।

तेज रफ्तार कार ने स्कूटी को रौंदा, युवक की मौत

प्रयागराज। शंकरगढ़ थाना क्षेत्र में शनिवार देर रात एक सड़क हादसे में स्कूटी सवार एक युवक की मौत हो गई। यह दुर्घटना प्रयागराज–बांदा मार्ग पर सेहुड़ा–लोहगरा के पास हुई, जिसमें उसका एक साथी गंभीर रूप से घायल हो गया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार शंकरगढ़ थाना क्षेत्र के नीबी, लोहगरा निवासी हीरालाल (28) पुत्र कमलेश और सुनील कुमार (28) पुत्र सुखलाल एक निजी ब्लैंकेट कंपनी के लिए ऑनलाइन सामान डिलीवरी का काम करते थे। शनिवार रात काम खत्म करने के बाद दोनों प्रयागराज से अपनी बैटरी स्कूटी से घर लौट रहे थे। देर रात करीब एक बजे सेहुड़ा– लोहगरा के पास पीछे से आ रहे एक तेज रफ्तार चार पहिया वाहन ने उनकी स्कूटी को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि स्कूटी कार के अगले हिस्से में जा घुसी और दोनों युवक सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए। स्थानीय लोगों की सूचना पर पुलिस और अन्य लोग मौके पर पहुंचे और दोनों घायलों को तत्काल सीएचसी शंकरगढ़ ले जाया गया। प्राथमिक उपचार के बाद हीरालाल की गंभीर हालत को देखते हुए उन्हें एसआरएन अस्पताल, प्रयागराज रेफर किया गया, जहां इलाज के दौरान उनकी मृत्यु हो गई। सुनील कुमार का उपचार सीएचसी शंकरगढ़ में जारी है। घायल सुनील कुमार ने बताया कि वे प्रयागराज से घर लौट रहे थे, तभी पीछे से आई कार ने उनकी स्कूटी में टक्कर मार दी। पुलिस ने घटना की जानकारी दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

सेंट अतुलानंद और सनबीम लंका को मिली जीत

प्रयागराज। सेंट अतुलानंद, होलापुर, वाराणसी और सनबीम लंका, वाराणसी ने अंडर–14 आयु वर्ग जीत दर्ज करके सीबीएसई क्लस्टर–5 बालिका बास्केटबॉल प्रतियोगिता अगले दौर में जगह बनाई। संस्कार इंटरनेशनल स्कूल सुलम सरांय में चल रही चार दिवसीय प्रतियोगिता के दूसरे दिन रविवार को अंडर–14 आयु वर्ग में सेंट अतुलानंद, होलापुर, वाराणसी ने आर्मी पब्लिक स्कूल ओल्ड कैंट को 11–4 से हराया। विजेता टीम की आराध्या (07 अंक) और पराजित टीम की अनु (04 अंक) शीर्ष स्कोरर रहीं। दूसरे मैच में सनबीम लंका वाराणसी ने गुरुकुल मोंटेसरी स्कूल प्रयागराज को 19–17 से हराया। विजेता टीम की साक्षी (13 अंक) और पराजित टीम की युतिका (11 अंक) शीर्ष स्कोरर रहीं। अंडर–17 आयु वर्ग में सेंट अतुलानंद स्कूल कोइराजपुर वाराणसी को सनबीम स्कूल सोनभद्र से वाकओवर मिला। अंडर–19 आयु वर्ग में एमपीवीएम प्रयागराज को जीडी ग्लोबल गोरखपुर से, सनबीम स्कूल, आजमगढ़ को डीपीएस, वाराणसी से, आर्मी पब्लिक स्कूल, ओल्ड कैंट प्रयागराज को देवस्थली विद्यापीठ बलिया से, आर्मी पब्लिक स्कूल वाराणसी को सनबीम इंग्लिश स्कूल वाराणसी से वाकओवर मिला। मैच में विनोद कुमार, आशीष कुमार, विपिन खत्री, पुनीत श्रीवास्तव, कुणाल, ऋषभ देव, विशाल चंद्रा, राहुल, सनी, शिवम, अमन यादव, सैफ और कुशाग्र ने निर्णायक का दायित्व निभाया।

पं. मंगल पाण्डे की जयंती पर महिलाओं ने अपनी आजादी का किया आगाज

प्रयागराज। पूरे भारत में आजादी के नायक प्रथम स्वतंत्रता संग्राम सेनानी अमर शहीद पं. मंगल पाण्डे की जन्म जयंती मनाने वाली संस्था ओम ब्राह्मण महासभा ने रविवार को भव्य महिला संगोष्ठी का आयोजन किया। कार्यक्रम का आयोजन महासभा के महिला प्रकोष्ठ और अधिवक्ता प्रकोष्ठ द्वारा संयुक्त रूप से किया गया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि ओम ब्राह्मण महासभा की राष्ट्रीय संरक्षक एवं उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक की धर्मपत्नी श्रीमती नम्रता पाठक रहीं। अध्यक्षता शिव प्रकाश मिश्रा (सेनानी) एडवोकेट सुप्रीम कोर्ट ने की। विशिष्ट अतिथि के रूप में पूर्व डीजीपी सूर्य कुमार शुक्ला उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन श्रीमती रोली तिवारी ने किया। कार्यक्रम की आयोजक महिला प्रकोष्ठ की प्रदेश अध्यक्ष सीमा मिश्रा, उपाध्यक्ष किरण शर्मा, महिमा अवस्थी, संरक्षक जड़ावती धर्मपत्नी सुभाष तिवारी, ममता शुक्ला और अधिवक्ता प्रकोष्ठ के राष्ट्रीय संयोजक एडवोकेट रमेश मिश्रा, प्रदेश अध्यक्ष एडवोकेट विद्याकांत शर्मा, एडवोकेट सुरेश मिश्रा, एडवोकेट आशीष दुबे, एडवोकेट अभय द्विवेदी सहित बड़ी संख्या में पदाधिकारी मौजूद रहे।

युवक पर पंच एवं कड़े से हमला, तीन नामजद

प्रयागराज। करेली थाना क्षेत्र में पुरानी रंजिश को लेकर एक युवक पर लोहे के पंच और हाथ के कड़े से हमला करने का मामला सामने आया है। हमले में युवक के सिर में गंभीर चोट आई। पुलिस मुकदमा दर्ज कर जांच कर रही है। प्राप्त जानकारी के लिए करेली थाना क्षेत्र के सदियापुर मछली मंडी निवासी राजकुमार निषाद उर्फ मन्नू ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि १५ जुलाई को वह घर लौट रहे थे। आरोप है कि गुरुद्वारे के पास मोहल्ले के अंकित उर्फ गोलू निषाद, अर्पित निषाद और उनके साथी आयूब ने उन्हें रोक लिया। तीनों ने गाली–गलौज करते हुए हाथ के कड़े और लोहे के पंच (मुढ़िया) से हमला कर दिया। हमले में उनके सिर में गंभीर चोटें आईं। शोर सुनकर आसपास के लोग जुटने लगे तो आरोपित जान से मारने की धमकी देते हुए मौके से भाग निकले। पीड़ित का आरोप है कि आरोपित पहले भी उनके घर में घुसकर मारपीट और गाली–गलौज कर चुके हैं।

टेट अनिवार्यता के मुद्दे पर टीएफआई ने सांसद को सौंपा मांग पत्र

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। टीचर्स फेडरेशन आफ इंडिया (टीएफआई) के एक प्रतिनिधिमंडल ने आज डुमरियागंज के सांसद जगदंबिका पाल के आवास पर उनसे मुलाकात की। इस दौरान संगठन के पदाधिकारियों ने शिक्षकों के लिए टेट अनिवार्यता को समाप्त कराने से जुड़े मुद्दे को लेकर सांसद को एक मांग पत्र सौंपा। यह मांग पत्र राष्ट्रीय शिक्षक शिक्षा परिषद द्वारा 23 अगस्त 2010 को निर्धारित की गई न्यूनतम योग्यता के नियमों से संबंधित है, जिसमें संगठन ने संसद द्वारा इसे निःशुल्क एवं अनिवार्य बाल शिक्षा अधिकार अधिनियम (आरटीई) में पूरी तरह सम्मिलित कराने की मांग की

है।इस ज्ञापन में द गैजेट ऑफ इंडिया के सेक्शन 23 का संदर्भ दिया गया है, जिसके तहत किसी भी व्यक्ति को शिक्षक के रूप में नियुक्त होने के लिए तय शैक्षणिक योग्यता प्राप्त करना अनिवार्य होता है परंतु पूर्व से नियुक्त शिक्षकों के लिए टेट की अनिवार्यता नहीं है। इसके साथ ही पत्र में 10 अगस्त 2017 को किए गए संशोधन का भी विशेष उल्लेख किया गया है। सांसद ने शिक्षकों को संबोधित करते हुए कहा कि शिक्षकों की सेवा सुरक्षा बेहद संवेदनशील विषय हैं। वह हमेशा शिक्षकों के संघर्ष में साथ रहे हैं। सांसद ने विश्वास दिलाया कि उच्चतम न्यायालय के निर्णय से उत्पन्न विसंगतियों को दूर कराने के लिए वह संसद में मुद्दा उठाएँगे और संसद से बाहर भी पूरा सहयोग करेंगे। टीएफआई के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष व उप्र प्राथमिक शिक्षक संघ के जिलाध्यक्ष राधेरमण त्रिपाठी ने कहा कि सांसद ने हमेशा शिक्षक हितों की सुरक्षा के लिए कार्य किया है। दिल्ली धरने में भी पहुंचकर सांसद ने शिक्षकों को संबल प्रदान किया था। कहा कि शिक्षकों को विश्वास है कि सांसद जी के सहयोग से 2010 से पूर्व नियुक्त शिक्षकों को टेट अनिवार्यता से मुक्ति मिलेगी। कार्यक्रम में संगठन के जिला उपाध्यक्ष अशोक कुमार के पुत्र आनंद कुमार को नीट परीक्षा में सफलता मिलने पर सांसद द्वारा सम्मानित किया गया। इस दौरान जिला कार्यसमिति के पदाधिकारियों सहित समस्त ब्लॉक कार्यसमिति व संघर्ष समिति के पदाधिकारीगण मौजूद रहे।

श्री सिद्धिविनायक टेलीकॉम का शुभारंभ, एक ही छत के नीचे मोबाइल, फाइनेंस और हेल्थ केयर की सुविधा

दैनिक बुद्ध का संदेश

बस्ती। शहर के भारत मार्केट, कंपनी बाग स्थित श्री सिद्धिविनायक टेलीकॉम का शुभारंभ रविवार को प्रोपराइटर सुनील सिंह के सुपुत्र अनुभव सिंह द्वारा विधि–विधान एवं वैदिक मंत्रोच्चार के बीच फीता काटकर किया गया। उद्घाटन समारोह में जनप्रतिनिधियों, गणमान्य नागरिकों, व्यापारियों एवं क्षेत्रवासियों की उल्लेखनीय उपस्थिति रही। इस अवसर पर प्रतिष्ठान में आने वाले अतिथियों का गर्मजोशी से स्वागत किया गया।उद्घाटन के बाद प्रोपराइटर सुनील सिंह ने बताया कि श्री सिद्धिविनायक टेलीकॉम के माध्यम से ग्राहकों को मोबाइल फोन के सभी प्रमुख ब्रांडों के नवीनतम (लेटेस्ट) मॉडल एक ही स्थान पर उपलब्ध कराए जाएंगे। इसके अलावा मोबाइल से संबंधित सभी प्रकार की आवश्यक एसेसरीज, जैसे चार्जर, इयरफोन, कवर, टेम्पर्ड ग्लास, पावर बैंक, स्पीकर तथा अन्य इलेक्ट्रॉनिक एक्सेसरीज भी उचित मूल्य पर उपलब्ध रहेंगी।

उन्होंने कहा कि ग्राहकों को बेहतर गुणवत्ता, उचित कीमत और भरोसेमंद सेवा उपलब्ध कराना उनकी प्राथमिकता होगी।उन्होंने बताया कि प्रतिष्ठान के अंतर्गत संचालित सिद्धिविनायक फाइनेंस के माध्यम से लोगों को विभिन्न प्रकार की वित्तीय सुविधाएं भी उपलब्ध कराई जाएंगी। इसमें होम लोन, एजुकेशनल लोन, बिजनेस लोन, वाहन ऋण सहित अन्य सभी प्रकार के फाइनेंस की सुविधा एक ही स्थान पर मिलेगी। उन्होंने कहा कि आज के समय में लोगों को सही मार्गदर्शन और आसान प्रक्रिया के साथ वित्तीय सहायता उपलब्ध कराना बेहद आवश्यक है। इसी उद्देश्य से अनुभवी टीम के सहयोग से ग्राहकों को पारदर्शी एवं सरल सेवाएं प्रदान की जाएंगी।सुनील सिंह ने सिद्धिविनायक हेल्थ केयर की जानकारी देते हुए कहा कि यहां डॉ. जगदीश शर्मा एवं डॉ. भगौती अपनी चिकित्सीय सेवाएं प्रदान करेंगे। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में आधुनिक जीवनशैली, अनियमित दिनचर्या और फास्ट फूड के बढ़ते चलन के कारण लोग विभिन्न प्रकार की बीमारियों का शिकार हो रहे हैं। अधिकांश लोग छोटी–बड़ी समस्याओं में भी एलोपैथिक दवाओं पर निर्भर हो जाते हैं, जिससे कई बार अन्य स्वास्थ्य संबंधी परेशानियां भी उत्पन्न हो जाती हैं। ऐसे समय में लोगों को बेहतर स्वास्थ्य परामर्श एवं समुचित देखभाल उपलब्ध कराने के उद्देश्य से सिद्धिविनायक हेल्थ केयर की शुरुआत की गई है। उन्होंने विश्वास जताया कि यह केंद्र क्षेत्रवासियों के लिए एक उपयोगी और लाभकारी पहल साबित होगा।उद्घाटन समारोह के दौरान अतिथियों ने नए प्रतिष्ठान की सफलता की कामना करते हुए कहा कि एक ही स्थान पर टेलीकॉम, फाइनेंस और हेल्थ केयर जैसी विभिन्न सेवाओं का उपलब्ध होना क्षेत्र के लोगों के लिए काफी सुविधाजनक रहेगा। उन्होंने सुनील सिंह एवं उनकी पूरी टीम को शुभकामनाएं देते हुए प्रतिष्ठान के उज्ज्वल भविष्य की कामना की।इस अवसर पर पूर्व विधायक दयाराम चौधरी, नगर पालिका अध्यक्ष प्रतिनिधि अंकुर वर्मा, वकील सिंह, सिद्धांत सिंह, ऋषभ शाहू सहित अनेक गणमान्य नागरिक, व्यापारी एवं शुभचिंतक उपस्थित रहे। समारोह का समापन अतिथियों के सम्मान और सभी के प्रति आभार व्यक्त करने के साथ हुआ।

विश्वकर्मा मंदिर में ट्रस्ट ने लगाया अवैध अतिक्रमण का आरोप

प्रयागराज। कीडगंज स्थित विश्वकर्मा मंदिर में कथित अवैध अतिक्रमण को लेकर विश्वकर्मा पांचाल ब्राह्मण जिला सभा ने आपत्ति जताई है। सभा के पदाधिकारियों ने कुछ लोगों पर मंदिर परिसर में अवैध रूप से कब्जा करने और परिसर की गरिमा के विपरीत गतिविधियां संचालित करने का आरोप लगाया है। सभा के अनुसार, मंदिर परिसर में रहने वाले कुछ लोगों पर नशीले पदार्थों की बिक्री और अन्य अवैध गतिविधियों में संलिप्तता के आरोप हैं। ट्रस्ट का कहना है कि इन गतिविधियों से मंदिर की प्रतिष्ठा प्रभावित हो रही है। पदाधिकारियों के अनुसार, मंदिर का निर्माण वर्ष 1966 में हुआ था। सभा ने प्रशासन से मंदिर परिसर से कथित अतिक्रमण हटाने और मामले की जांच कराने की मांग की है। विश्वकर्मा पांचाल ब्राह्मण महासभा के महामंत्री ने कहा कि जब तक मंदिर परिसर को अतिक्रमण से मुक्त नहीं कराया जाता, तब तक उनका विरोध जारी रहेगा। इस दौरान सभा के कई पदाधिकारी और सदस्य मौजूद रहे।

निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर में सौ से अधिक लोगों ने उठाया लाभ

प्रयागराज। इलाहाबाद गेस्ट हाउस एसोसिएशन व मेदांता हॉस्पिटल के संयुक्त तत्वाधान में " निशुल्क स्वास्थ परीक्षण शिविर" का आयोजन केसरी भवन बैंक्वेट हाल में किया गया। इस अवसर पर ईसीजी, ब्लड टेस्ट, बी पी चेक, सुगर चेक , बोनस बैलेंसिंग, आँखों की जाँच जैसी कई जांचें निशुल्क रूप से गई एवं उसके उपरांत विशेषज्ञों द्वारा मरीजों को उसके उपचार भी बताये गए। भारी संख्या में लोगों ने इस शिविर का लाभ उठाया। मेदांता हॉस्पिटल लखनऊ के प्रसिद्ध डॉक्टर अमित शांडिल्य ने अपनी टीम अलका सिंह, ज्योतिर्मय रॉय, शीतल, मार्केटिंग हेड राहुल त्रिपाठी ने शिविर को संचालित किया। इस अवसर पर प्रयाग व्यापार मंडल अध्यक्ष राणा चावला, इलाहाबाद गेस्ट हाउस असोसिएशन के अध्यक्ष गुफरान अहमद, उपाध्यक्ष विद्यासागर केशरी, प्रकाशन सचिव शाहिद कमाल, रवि जायसवाल, अतिन गुप्ता, ओम प्रकाश जायसवाल, अकरम शगुन, विकास सिंह, आकाश जायसवाल, मोहम्मद आजम, दीपक केशरी, जतिंदर सिंह बब्बू जी , महमूद अहमद खघन, युवा अध्यक्ष साहिल अरोड़ा, युवा महामंत्री शुभम केसरवानी, प्रदीप सचदेवा, संदीप गुलाटी उपस्थित रहे।

सेक्टर बूथ बनाने हेतु आसपा ने बैठक में किया चिंतन

प्रयागराज। आजाद समाज पार्टी (कांशीराम) के तत्वावधान के जसरा स्थित ग्रामसभा सेहुड़ा में आसपा के पूर्व जिला प्रभारी अधिवक्ता आईपी रामबृज की अध्यक्षता में सेक्टर बूथ बनाने हेतु बैठक की गई। पूर्व जिला प्रभारी आईपी रामबृज ने बैठक को सम्बोधित करते हुए बताया कि जिस समाज की सत्ता होती है उस समाज के साथ अन्याय अत्याचार नहीं होता। बाबासाहेब ने बताया कि बहुजन समाज के लोग ही इस देश की शासक और हुक्मरान कौम रही है। बहुजन समाज जिस दिन अपना इतिहास जान जायेगा उस दिन देश से अंधविश्वास पाखण्ड और कुरीतियों का सफाया हो जायेगा। आईपी रामबृज ने आगे बताया कि वे 2007 से सतत विधानसभा बारा में काम कर रहे हैं। बारा विधानसभा में स्थित अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के सत्तर प्रतिशत लोग भूमिहीन है। बैठक में बूथ संख्या 205 का बूथ अध्यक्ष रमाशंकर और बूथ संख्या 206 का बूथ अध्यक्ष बड़ेलाल आदिवासी के साथ विधानसभा उपाध्यक्ष रवि शंकर, उपाध्यक्ष कैशलेश, तेरसू, अभिनव, राजेन्द्र प्रसाद, निर्देश कुमार, बब्बू, उमाशंकर, अजय, रामसिया, गुलाब, रामकैलाश, रमेश, रज्जन कुमार के साथ दो दर्जन से अधिक लोग उपस्थित रहे।

जगत के नाथ को लगा 56 प्रकार के व्यंजनों का महाभोग

प्रयागराज। श्री जगन्नाथ जी महोत्सव समिति ट्रस्ट द्वारा आयोजित रथ यात्रा महोत्सव के अंतर्गत भगवान जगन्नाथ जी का दिव्य श्रृंगार दर्शन और 56 महाभोग प्रसाद का वितरण का आयोजन प्रयागेश्वर जगन्नाथ मंदिर काशी राज नगर कटघर प्रयागराज में आयोजित किया गया। इस दौरान ट्रस्ट के अध्यक्ष दुर्गा प्रसाद गुप्ता ने विधिवत पूजन अर्चन कर भगवान जगन्नाथ जी को 56 प्रकार के व्यंजनों से महाभोग लगाया। तत्पश्चात भगवान जगन्नाथ जी की महाआरती मंत्री गगन दास गुप्ता उपाध्यक्ष दाऊ दयाल गुप्ता अमर रस्तोगी, राजेश केसरवानी, कन्हैया लाल गुप्ता, त्रिलोकी केसरवानी, पप्पू कलश, शशिकांत जायसवाल पूनम गुप्ता,पप्पू, विजय वैश्य, उमेश चंद्र जायसवाल,अजय अग्रहरि आदि ने उतार कर महाभोग प्रसाद वितरण का शुभारंभ किया। रथयात्रा संयोजक राजेश केसरवानी ने बताया कि इस अवसर पर भगवान जगन्नाथ जी तिरुपति बालाजी जी के स्वरूप का श्रृंगार दर्शन किया गया और उन्हें भगवान जगन्नाथ जी को 56 प्रकार के महाभोग के व्यंजनों में मुख्य रूप से भात, कढी, रोटी, कोहडे की सब्जी, चावल की खीर, मूंग का पापड़, मूंग की खिचड़ी, आचार, पकौड़ी, मुरब्बा, जलेबी, दमालू, खाजा, ठोकवा, खुरमा, छाछ, दही, घृत, मक्खन, रबडी, आदि व फल रहें। इस अवसर उत्तर मध्य सांस्कृतिक केंद्र के कलाकारों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का संचालन रथयात्रा संयोजक राजेश केसरवानी ने किया।

इस अवसर अनिल कुमार गुप्ता अन्नू भैया, पार्षद कुसुमलता गुप्ता, संजय वैश्य, राजेश गुप्ता, कार्तिक श्रीवास्तव, अभिलाष केसरवानी, शत्रुघ्न जायसवाल, सुनील कुमार संजय गुप्ता, रीना साहू, मंजू गुप्ता, सरिता मिश्रा चतुर्वेदी आदि भक्तगण उपस्थित रहे।

खेसरहा में कृषि यंत्रों पर अनुदान हेतु ऑनलाइन बुकिंग शुरू, किसानों से समय पर आवेदन की अपील

दैनिक बुद्ध का संदेश

खेसरहा। उत्तर प्रदेश .षि विभाग द्वारा विभिन्न योजनाओं के अंतर्गत .षि यंत्रों पर अनुदान के लिए ऑनलाइन बुकिंग प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। इच्छुक किसान 16 जुलाई 2026 दोपहर 12 बजे से 30 जुलाई 2026 रात्रि 12 बजे तक .षि विभाग के पोर्टल पर ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं।सहायक विकास अधिकारी (.षि) विनोद कुमार मौर्य ने बताया कि .षि यंत्रीकरण को बढ़ावा देने एवं किसानों की आय में वृद्धि के उद्देश्य से यह योजना संचालित की जा रही है। उन्होंने किसानों से निर्धारित समयावधि में आवेदन करने तथा आवेदन से पूर्व आवश्यक दिशा–निर्देश एवं पात्रता की जानकारी पोर्टल पर अवश्य देखने की अपील की।राजकीय .षि बीज भंडार प्रभारी वीरेंद्र कुमार चौहान ने

बताया कि योजना के तहत सब मिशन ऑन एग्रीकल्चरल मैकेनाइजेशन के अंतर्गत कस्टम हायरिंग सेंटर, फार्म मशीनरी बैंक, किसान ड्रोन एवं अन्य .षि यंत्र, फसल अवशेष प्रबंधन के तहत .षि यंत्र एवं कस्टम हायरिंग सेंटर, त्वरित मक्का विकास कार्यक्रम के तहत बेड प्लांटर, पॉपिंग मशीन व मक्का शेलर, राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन के अंतर्गत स्मॉल गोदाम, मिलेट पॉलिशर, ट्रिपलर व बखारी, .षि रक्षा उपकरण के तहत मानव चालित एवं पावर चालित स्प्रेयर, नेशनल मिशन ऑन एडिबल ऑयल.ऑयल सीड के तहत ऑयल एक्सट्रैक्शन यूनिट तथा दलहन मिशन के अंतर्गत दाल मिल पर अनुदान उपलब्ध कराया जाएगा।.षि रक्षा प्रभारी पंकज गौतम ने किसानों से अधिक से अधिक संख्या में ऑनलाइन आवेदन कर योजना का लाभ उठाने की अपील की। उन्होंने कहा कि आवेदन केवल ऑनलाइन माध्यम से ही स्वीकार किए जाएंगे। किसी भी प्रकार की जानकारी या सहायता के लिए किसान विकास खंड खेसरहा स्थित .षि विभाग कार्यालय अथवा राजकीय .षि बीज भंडार से संपर्क कर सकते हैं।

सांसद जगदंबिका पाल ने फीता काटकर अस्पताल का किया शुभारंभ

दैनिक बुद्ध का संदेश

बांसी/सिद्धार्थनगर। क्षेत्र के निवासियों को उच्च स्तरीय स्वास्थ्य सेवाएं देने के उद्देश्य से बांसी–बस्ती रोड पर नवनिर्मित श्री नारायणी मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल का रविवार (19 जुलाई 2026) को भव्य उद्घाटन हुआ। मुख्य अतिथि डुमरियागंज सांसद जगदंबिका पाल ने फीता काटकर अस्पताल का शुभारंभ किया। इस अवसर पर भाजपा प्रवक्ता राकेश त्रिपाठी, पूर्व विधायक अमन मणि त्रिपाठी और मेंहदावल विधायक अनिल मणि त्रिपाठी सहित कई

गणमान्य नागरिक मौजूद रहे। स्वागताकांक्षी आनंद मिश्रा, संतोष श्रीवास्तव और शिशिर शुक्ला ने सभी अतिथियों का स्वागत किया।आपकी सेवा हमारा संकल्प्श के ध्येय के साथ शुरू हुए इस अस्पताल के संस्थापक डॉ. पी. पी. मिश्रा और सह– संस्थापक डॉ. आकांक्षा मिश्रा हैं।अस्पताल की मुख्य विशेषताएं और डॉक्टरों की टीम में अनुभवी डॉक्टरों की टीम, डॉ. पी. पी. मिश्रा (डायबिटीज व क्रिटिकल केयर), डॉ. अमित नायक (लैप्रोस्कोपिक सर्जन), डॉ. आदित्य धर द्विवेदी (न्यूरो एवं स्पाइन सर्जन), डॉ. अवधेश उपाध्याय, डॉ. मधुलिका राय (स्त्री रोग विशेषज्ञ) और डॉ. अनिमेश कुमार राव सेवाएं देंगे।डिजिटल एक्स–रे, 2डी/3डी/4डी अल्ट्रासाउंड और सटीक जांच के लिए पाथकाइंड लैब की सुविधा। 24/7 आपातकालीन सेवारू ओपीडी, ईसीजी, नेबुलाइजर और टीकाकरण सहित सभी आपातकालीन सेवाएं चौबीसों घंटे उपलब्ध रहेंगी।अस्पताल प्रबंधन के अनुसार, इस मल्टीस्पेशलिटी अस्पताल के खुलने से अब स्थानीय मरीजों को इलाज के लिए बड़े शहरों के चक्कर नहीं काटने पड़ेंगे और एक ही छत के नीचे विश्वस्तरीय इलाज मिल सकेगा।

पटहरा प्राथमिक विद्यालय का प्रांगण बरसात में दलदल बना, बच्चों की सुरक्षा पर संकट

दैनिक बुद्ध का संदेश

खेसरहा। विकास क्षेत्र खेसरहा के प्राथमिक विद्यालय पटहरा

का परिसर बरसात शुरू होते ही कीचड़ और जलभराव से दलदल में तब्दील हो जाता है। विद्यालय परिसर में इंटरलॉकिंग या आरसीसी फर्श न होने के कारण बच्चों को रोज़ कीचड़ से होकर कक्षाओं तक पहुंचना पड़ता है, जिससे उनकी सुरक्षा और स्वच्छता दोनों प्रभावित हो रही हैं।बरसात के दिनों में छोटे बच्चों के जूते और कपड़े गंदे हो जाते हैं तथा फिसलकर चोट लगने का भी खतरा बना रहता है। ग्रामीणों का कहना है कि यह समस्या हर वर्ष सामने आती है, जिससे पढ़ाई का माहौल भी प्रभावित होता है।अभिभावकों ने विद्यालय परिसर में इंटरलॉकिंग या आरसीसी निर्माण कराने की मांग की है। विद्यालय के प्रधानाध्यापक गुलाबचंद बिंद ने बताया कि समस्या से संबंधित अधिकारियों को अवगत करा दिया गया है।वहीं, ग्राम प्रधान पिरतू ने आश्वासन दिया है कि विद्यालय परिसर में इंटरलॉकिंग या आरसीसी निर्माण कराने का प्रयास किया जाएगा, ताकि बरसात के दौरान बच्चों को किसी प्रकार की असुविधा न हो।

श्यामधनी राही विधायक के प्रयासों से हो रहा माँ योगमाया मार्ग का चौड़ीकरण, क्षेत्रवासियों में खुशी की लहर

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। कपिलवस्तु विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत विकास खंड जोगिया के मायोगमाया मार्ग का चौड़ीकरण कार्य तेजी से प्रगति पर है। लगभग ध्630.49 लाख की लागत से इस महत्वपूर्ण सड़क का निर्माण कराया जा रहा है। सड़क पर गिट्टी बिछाई जा चुकी है तथा पुलिया निर्माण का कार्य भी शुरू हो गया है। निर्माण कार्य में तेजी आने से क्षेत्रवासियों में खुशी का माहौल है और लोगों को उम्मीद है कि यह सड़क जल्द ही बनकर तैयार हो जाएगी।ग्रामीणों का कहना है कि वर्षों से इस सड़क के चौड़ीकरण की मांग की जा रही थी। सड़क बनने से आवागमन सुगम होगा, दुर्घटनाओं की संभावना कम होगी और मायोगमाया मंदिर में दर्शन के लिए आने वाले श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधा मिलेगी। इसके साथ ही स्टेडियम में अभ्यास एवं प्रतियोगिताओं के लिए आने वाले खिलाड़ियों तथा आसपास के गांवों के बच्चों को भी इसका सीधा लाभ मिलेगा।कपिलवस्तु विधायक श्याम धनी राही ने बताया कि यह क्षेत्र बाढ़ प्रभावित होने के कारण सड़क का निर्माण आरसीसी (ब्ब्) से कराया जा रहा है, जिससे सड़क अधिक मजबूत, टिकाऊ और लंबे समय तक सुरक्षित रहेगी। उन्होंने कहा कि निर्माण कार्य निर्धारित गुणवत्ता मानकों के अनुरूप तेजी से कराया जा रहा है ताकि आम जनता को जल्द से जल्द इसका लाभ मिल सके।सड़क चौड़ीकरण कार्य पर स्थानीय लोगों अरविंद करपाठक, अभिषेक जायसवाल, बबलू जायसवाल, रितेश जायसवाल, भाजपा नेता रवि जायसवाल, साधू यादव और बड़कू यादव ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए विधायक श्याम धनी राही का आभार जताया। उनका कहना है कि यह सड़क क्षेत्र के विकास में मील का पत्थर साबित होगी और आने वाले समय में हजारों लोगों को इसका लाभ मिलेगा।ग्रामीणों ने विश्वास जताया कि सड़क और पुलिया का निर्माण पूरा होने के बाद क्षेत्र के विकास को नई गति मिलेगी तथा श्रद्धालुओं, किसानों, विद्यार्थियों और खिलाड़ियों को बेहतर एवं सुरक्षित आवागमन की सुविधा प्राप्त होगी।

जब कपिलवस्तु के विधायक श्यामधनी राही से मार्ग चौड़ीकरण कार्य के संबंध में पूछा गया, तो उन्होंने कहा कि यह कार्य उनके निरंतर प्रयासों से कराया जा रहा है। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री के निर्देशों के अनुरूप निर्माण कार्य तेजी से चल रहा है, जो अत्यंत सराहनीय है।विधायक ने कहा कि मार्ग के चौड़ीकरण से क्षेत्रवासियों के साथ–साथ माँ योगमाया धाम जाने वाले श्रद्धालुओं को भी बड़ी सुविधा मिलेगी। आने वाले समय में यह मार्ग आवागमन को अधिक सुरक्षित, सुगम और बेहतर बनाएगा, जिससे पर्यटन को भी बढ़ावा मिलेगा।जिससे पूरे क्षेत्र के विकास को नई गति मिलेगी।

छपवा गांव में मिशन शक्ति अभियान के तहत महिलाओं और बालिकाओं को किया गया जागरूक

दैनिक बुद्ध का संदेश

खेसरहा। मिशन शक्ति अभियान फेज–5.0 के द्वितीय चरण के अंतर्गत थाना खेसरहा की मिशन शक्ति टीम ने शुक्रवार को थाना क्षेत्र के ग्राम छपवा में महिलाओं और बालिकाओं को सुरक्षा, सम्मान और स्वावलंबन के प्रति जागरूक किया।वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ. अभिषेक महाजन के निर्देशन में आयोजित कार्यक्रम में अपर पुलिस अधीक्षक प्रशांत कुमार प्रसाद, क्षेत्राधिकारी बांसी शुभेंदु सिंह तथा थानाध्यक्ष अनूप कुमार मिश्र के मार्गदर्शन में महिला पुलिस टीम ने नए महिला सुरक्षा कानूनों, साइबर अपराध से बचाव, एंटी रोमियो अभियान और शक्ति दीदी अभियान की जानकारी दी।कार्यक्रम के दौरान महिलाओं एवं बालिकाओं को महिला सुरक्षा से जुड़े हेल्पलाइन नंबरों की जानकारी भी दी गई। इसमें 112 (पुलिस आपातकालीन सेवा), 1090 (वूमेन पावर हेल्पलाइन), 108 (एम्बुलेंस सेवा), 1930 (साइबर अपराध हेल्पलाइन), 1098 (चाइल्ड हेल्पलाइन) और 102 (स्वास्थ्य सेवा) के बारे में विस्तार से बताया गया।महिला पुलिस टीम ने उत्तर प्रदेश सरकार की विभिन्न महिला कल्याणकारी योजनाओं और कानूनी अधिकारों की जानकारी देते हुए महिलाओं से किसी भी प्रकार की समस्या होने पर बिना संकोच पुलिस और संबंधित हेल्पलाइन की मदद लेने की अपील की।

प्राथमिक विद्यालय की गिरी बाउंड्री बनी खतरा, बच्चों की सुरक्षा पर मंडराया संकट

दैनिक बुद्ध का संदेश

खेसरहा। खेसरहा विकास खंड के प्राथमिक विद्यालय मरसेया की बाउंड्री वाल निर्माण के महज छह वर्ष बाद ही भरभराकर गिर गई, जिससे विद्यालय की सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। वर्ष 2020 में ग्राम पंचायत निधि से करीब ढाई लाख रुपये की लागत से बनी यह बाउंड्री अब पूरी तरह ध्वस्त हो चुकी है।विद्यालय में कक्षा एक से पांच तक 92 छात्र–छात्राएं अध्ययनरत हैं और पांच शिक्षक तैनात हैं। बाउंड्री टूटने से विद्यालय परिसर पूरी तरह खुला हो गया है, जिससे छुट्टी के बाद बाहरी लोगों और गांव के बच्चों का आवागमन बढ़ गया है। साथ ही परिसर में आवारा पशुओं का प्रवेश भी होने लगा है, जिससे बच्चों की सुरक्षा पर खतरा बना हुआ है।विद्यालय के मुख्य गेट के पास पानी से भरा गहरा गड्ढा छोटे बच्चों के लिए दुर्घटना का कारण बन सकता है। विद्यालय प्रशासन ने इसे गंभीर सुरक्षा जोखिम बताया है।प्रधानाध्यापक गुलाब चंद्र चौधरी ने बताया कि बाउंड्री गिरने के बाद से विद्यालय की सुरक्षा प्रभावित हुई है और जल्द मरम्मत की आवश्यकता है।वहीं, खंड शिक्षा अधिकारी नीरज कुमार सिंह ने कहा कि मामले की जानकारी मिली है। बाउंड्री के पुनर्निर्माण के लिए खंड विकास अधिकारी को पत्र भेजकर आवश्यक कार्रवाई कराने का अनुरोध किया जाएगा।

घोसियारी व कठमोरवा पीएचसी के आवास वर्षों से बंद, 40 गांवों की स्वास्थ्य सेवाएं प्रभावित

दैनिक बुद्ध का संदेश

खेसरहा। ग्रामीणों को 24 घंटे स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से बनाए गए चिकित्सक आवास आज बदहाली का शिकार हैं। घोसियारी और कठमोरवा प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र (पीएचसी) परिसर में करीब 1.20 करोड़ रुपये की लागत से बने चिकित्सक आवास वर्षों से खाली पड़े हैं। रखरखाव के अभाव में भवन खंडहर में तब्दील हो चुके हैं, जिससे क्षेत्र के लगभग 40 गांवों की स्वास्थ्य व्यवस्था प्रभावित हो रही है।घोसियारी पीएचसी का निर्माण वर्ष 2008–09 तथा कठमोरवा पीएचसी का निर्माण 2011–12 में कराया गया था। चिकित्सकों के रात्रि विश्राम के लिए बनाए गए आवासों का शुरू से ही समुचित उपयोग नहीं हो सका। वर्तमान में भवनों की खिड़कियां और दरवाजे टूट चुके हैं, परिसर में झाड़–झंखाड़ उग आए हैं और कई हिस्से क्षतिग्रस्त हो चुके हैं।ग्रामीणों का कहना है कि रात के समय चिकित्सक उपलब्ध न होने से गंभीर मरीजों को निजी अस्पतालों का रुख करना पड़ता है, जिससे समय और धन दोनों की हानि होती है।

स्थानीय लोगों ने जर्जर आवासों की मरम्मत कर चिकित्सकों के रहने की व्यवस्था बहाल करने की मांग की है, ताकि रात्रिकालीन स्वास्थ्य सेवाएं सुचारु रूप से मिल सकें।उधर कठमोरवा पीएचसी में नया ओपीडी भवन बन रहा है, लेकिन पुराने चिकित्सक आवास अब भी उपेक्षित हैं। स्वास्थ्य विभाग की ओर से आवासों की मरम्मत का प्रस्ताव भेजा गया है और बरसात के बाद कार्य शुरू कराने का आश्वासन दिया गया है। ग्रामीणों का कहना है कि चिकित्सक आवास चालू होने से क्षेत्र की स्वास्थ्य सेवाओं में उल्लेखनीय सुधार होगा।

हनुमान चालीसा पाठ के साथ ही आजीवन सदस्यों को सौंपे गए प्रमाण पत्र

आजीवन सदस्यता प्रमाण पत्र वितरण समारोह में गूंजा सेवा और सनातन का संकल्प

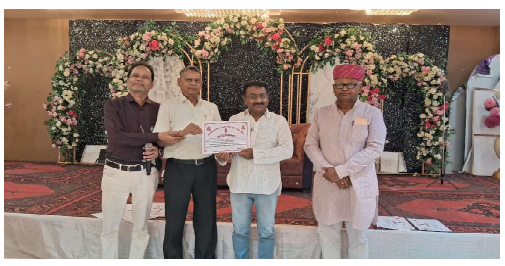

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। प्रभु राम सनातन धर्मार्थ सेवा ट्रस्ट–सिद्धार्थनगर धर्मार्थ सेवा संस्थान की ओर से शहर के एक होटल में रविवार को आजीवन सदस्यता प्रमाण पत्र वितरण समारोह का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ सामूहिक हनुमान चालीसा पाठ के साथ हुआ, जिसके पश्चात ट्रस्ट के उद्देश्यों, स्थापना और समाजहित में किए जाने वाले कार्यों पर विस्तार से चर्चा की गई। समारोह में ट्रस्ट से जुड़े आजीवन सदस्यों को सदस्यता प्रमाण पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। इस दौरान सभी सदस्यों ने अपना परिचय देते हुए ट्रस्ट को और अधिक सशक्त एवं सुचारू रूप से संचालित करने के लिए अपने सुझाव भी साझा किए। वक्ताओं ने सामाजिक, धार्मिक और सेवा कार्यों के माध्यम से समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने की आवश्यकता पर बल दिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए संस्थापक अध्यक्ष अखंड प्रताप सिंह ने कहा कि प्रभु राम सनातन धर्मार्थ सेवा ट्रस्ट का उद्देश्य समाज के प्रत्येक वर्ग तक सेवा, सहयोग और संस्कार की भावना को पहुंचाना है। उन्होंने कहा कि सभी आजीवन सदस्यों के सहयोग और सहभागिता से संस्था जनहित के कार्यों को नई दिशा देगी। कार्यक्रम का संचालन राणा प्रताप सिंह ने किया, जबकि अंत में शुभम श्रीवास्तव ने उपस्थित सभी अतिथियों, सदस्यों एवं सहयोगियों के प्रति आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर वरिष्ठ अधिवक्ता शेखर सिंह, इंदू सिंह, दिव्य प्रकाश शुक्ला, डॉ. केपी पांडेय, सुदीप कुमार श्रीवास्तव, भूप नारायण सिंह, डॉ. अभय शुक्ला, बद्री बाल्मीकि, रविन्द्र त्रिपाठी, सुनील कुमार बक्शी, विपुल सिंह, भीमचंद कसौधन, श्रीधर पाण्डेय,अजय कसौधन, रजनीश उपाध्याय, नितेश पाण्डेय, रजनेश धर दूबे, शिवदत्त अग्रहरि, नीरज श्रीवास्तव आदि उपस्थित थे।

खेसरहा में 24 जुलाई को चलेगा हरिशंकरी पौधारोपण अभियान

दैनिक बुद्ध का संदेश

खेसरहा। हरिशंकरी पौधारोपण अभियान की तैयारियों को लेकर खेसरहा ब्लॉक सभागार में बीडीओ विजय सिंह की अध्यक्षता में कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यक्रम में लोक भारती की ओर से हरिशंकरी पौधों के रोपण के धार्मिक, सामाजिक और पर्यावरणीय महत्व पर विस्तार से जानकारी दी गई।कार्यशाला में आरएसएस के जितेंद्र वर्मा ने बताया कि हरिशंकरी कोई एक पौधा नहीं, बल्कि पीपल, बरगद और पाकड़ जैसे तीन पवित्र वृक्षों का संयुक्त रोपण है। सनातन धर्म और पुराणों में इसे त्रिमूर्ति का प्रतीक माना गया है। उन्होंने कहा कि इन पौधों का रोपण पर्यावरण संरक्षण के साथ सामाजिक समरसता को भी बढ़ावा देता है।आरएसएस के धर्मेंद्र श्रीवास्तव ने बताया कि 24 जुलाई को खेसरहा ब्लॉक की सभी ग्राम सभाओं में हरिशंकरी पौधों का रोपण किया जाएगा। उन्होंने लोगों से पौधारोपण के साथ उनके संरक्षण का भी संकल्प लेने का आह्वान किया। कार्यशाला में राहुल अग्रहरि, संदीप सिंह, शुभम मणि, दीननाथ सहित क्षेत्र के अनेक लोग उपस्थित रहे।

सम्पादकीय

राजनीति में ऐसे आचरण, दुर्व्यवहार अक्सर भुला दिए जाते हैं। यदि द्रमुक के 22 सांसद लोकसभा में संशोधन बिल को समर्थन देते हैं, तो एनडीए के पक्ष में 346 सांसद हो सकते हैं। शरद पवार की पार्टी के 8 सांसदों का समर्थन लगभग तय माना जा रहा है, लिहाजा सत्ता–पक्ष के 354 सांसद हो सकते हैं। यह कोई सामान्य संख्या नहीं है। नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने ठीक ही कहा था कि प्रधानमंत्री...

'ऑपरेशन दो–तिहाई' अंजाम तक

केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह और एनसीपी (एसपी) के अध्यक्ष शरद पवार ने अपने–अपने स्तर पर 'चाणक्य' साबित कर दिया है। गृहमंत्री का 'ऑपरेशन दो–तिहाई' लगभग अंजाम तक पहुंच चुका है और पवार ने 'परिसीमन संशोधन बिल' को समर्थन का संकेत देकर अपने 8 सांसदों का दलबदल बचा लिया है। संभावनाएं बन रही हैं कि पवार एनडीए में भी शामिल हो सकते हैं, लेकिन उसके लिए प्रधानमंत्री मोदी के निर्देशानुसार गृहमंत्री शाह का आग्रह है कि एनसीपी के दोनों गुट आपस में विलय कर एक संगठित पार्टी बनाएं और फिर एनडीए का हिस्सा बनें। एनसीपी का जो गुट दिवंगत अजित पवार के नेतृत्व में टूटा था, वह महाराष्ट्र और केंद्र में एनडीए का हिस्सा है। चुनाव आयोग ने भी इसी गुट को 'असली एनसीपी' की मान्यता दी है, लेकिन मामला अब भी सर्वोच्च अदालत के विचाराधीन है। बहरहाल 'ऑपरेशन दो–तिहाई' प्रधानमंत्री, गृहमंत्री और भाजपा के लिए 'नाक का सवाल' है, क्योंकि बीती 17 अप्रैल को 'परिसीमन संशोधन बिल' लोकसभा में परास्त हो गया था। मोदी सरकार के 12–साला कार्यकाल में यह पहली अत्यंत महत्वपूर्ण संसदीय पराजय थी, लिहाजा सरकार अब तभी यह संशोधन बिल संसद में लाएगी, जब लोकसभा में उसका दो–तिहाई बहुमत निश्चित हो जाएगा। संविधान संशोधन बिल को पारित कराने की यह संवैधानिक शर्त है कि दो–तिहाई बहुमत का समर्थन होना चाहिए। लोकसभा में फिलहाल 540 सदस्य हैं, जिसका दो–तिहाई 360 सांसद बनता है, लेकिन बिल पारित कराने की संवैधानिक, संसदीय व्यवस्था यह है कि मतविभाजन के समय जितने सांसद सदन में हैं, उनका दो–तिहाई बहुमत होना लाजिमी है, लेकिन सदन में कमोबेश 50 फीसदी सदस्य उपस्थित होने चाहिए। लोकसभा में भाजपा के 240 सांसद हैं, लेकिन एनडीए के पक्ष में कुल 293 सांसद हैं। पिछली बार छोटे दलों के 5 सांसदों ने भी संविधान संशोधन बिल के समर्थन में मतदान किया था, लिहाजा एनडीए के 298 सांसद माने जा सकते हैं। तृणमूल कांग्रेस के जिन 20 सांसदों ने बगावत कर पालाबदल किया था, उसके बाद अब वे 'नेशनल सिटिजन पार्टी ऑफ इंडिया' (एनसीपीआई) के सांसद हैं। त्रिपुरा और बंगाल की यह बौनी–सी, गुमनाम पार्टी पहले से ही एनडीए की घटक है, लिहाजा 'ऑपरेशन दो–तिहाई' के तहत इन 20 सांसदों को गिनते हुए एनडीए को 318 सांसदों का समर्थन हो जाता है। 'असली शिवसेना' (एकनाथ शिंदे वाली) ने उद्धव गुट में सेंध लगाई और 'चाणक्य भाजपा' की सहायता से 6 सांसदों को तोड़ कर पार्टी में शामिल भी कर लिया गया। नतीजतन एनडीए के 324 सांसद हो गए। अब 'गिद्ध–दृष्टि' तमिलनाडु की प्रमुख पार्टी द्रमुक पर है। पार्टी अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री स्टालिन परिसीमन के साथ–साथ चुनाव आयोग के 'विशेष गहन पुनरीक्षण' (एसआईआर) के भी घोर विरोधी रहे हैं। तमिलनाडु में द्रमुक सत्ता के बाहर हो चुकी है। लोकसभा में उसके 22 सांसद हैं। गौरतलब यह है कि अटल बिहारी वाजपेयी के प्रधानमंत्री काल में, तत्कालीन द्रमुक अध्यक्ष करुणानिधि की सहमति से, एनडीए और भारत सरकार में भाजपा–द्रमुक साथ–साथ रहे हैं। ऐसा कोई वैचारिक विभाजन नहीं है। दोनों के बीच कोई 'लक्ष्मण–रेखा' भी नहीं है। हालांकि द्रमुक के कुछ नेताओं ने 'सनातन' के लिए बेहद अभद्र, अश्लील, अमर्यादित शब्दों का इस्तेमाल किया था। राजनीति में ऐसे आचरण, दुर्व्यवहार अक्सर भुला दिए जाते हैं। यदि द्रमुक के 22 सांसद लोकसभा में संशोधन बिल को समर्थन देते हैं, तो एनडीए के पक्ष में 346 सांसद हो सकते हैं। शरद पवार की पार्टी के 8 सांसदों का समर्थन लगभग तय माना जा रहा है, लिहाजा सत्ता–पक्ष के 354 सांसद हो सकते हैं। यह कोई सामान्य संख्या नहीं है। नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने ठीक ही कहा था कि प्रधानमंत्री मोदी 2029 तक देश का 'राजनीतिक नक्शा' बदल देना चाहते हैं। चूंकि महिला आरक्षण कानून को लागू करने के लिए देश में परिसीमन करना अनिवार्य है, लिहाजा नए बिल में ऐसा प्रावधान हो सकता है कि सभी राज्यों की 50 फीसदी लोकसभा सीटें बढ़ाई जाएंगी। परिसीमन उसी आधार पर किया जाएगा। इसमें किसी भी दल को क्या आपत्ति हो सकती है? विपक्ष की बात अलग है। बहरहाल भाजपा का ऑपरेशन तो कामयाब लगता है।

मनोप्रतिक्रियाओं का कुशल प्रबंधन कैसे करें

मन निस्संदेह मानव शरीर का सर्वाधिक महत्त्वपूर्ण, चिंतनशील, चंचल व संवेदनशील अंग है, जिसका अध्ययन ही मनोविज्ञान है। इनसानी शरीर में मन अत्यंत संवेदनशील अवयव (अंग) है जो जरा सी विपरीत स्थिति में, जरा सा भी दूसरों के असंयमित व्यवहार, कथन या एक्सप्रेशनवश असहज होकर भावुकता, क्रोध, चिड़चिड़ेपन, तनाव, दुराव, अलगाव का शिकार हो, तुरंत प्रतिक्रिया देने को आतुर हो कुछ ऐसा असामान्य व्यवहार करवा देता है, जो दोनों पक्षों को क्षति पहुंचाता है, जिससे संबंध भी खराब होते हैं, रिश्तों में अलगाव की संवेदनारहित सीमा तक हालात बन जाते हैं, जिनकी क्षतिपूर्ति शीघ्र संभव नहीं होती। बेशक समय अंतराल के पश्चात अपनी क्षति का एहसास करके जब पश्चाताप, आत्मग्लानि या दोष भावना जाग्रत होती है तब तक दोनों पक्षों की अपूर्णनीय क्षति हो चुकी होती है। पूर्व लेखों में भी इसी संदर्भ में मन के अवांछित चिंतन व जुबान के अनावश्यक दुरुपयोगवश हुई क्षतियों पर मनोव्याख्या की जा चुकी है। अब उन मनोप्रयासों की बात करते हैं जिनका अगर कुशल प्रबंधन सहित सही समय पर यथोचित, यथास्थिति, यथायोग्य, सदुपयोग कर लिया जाए, तो बेवजह के तनाव, अवांछित अलगाव, अनर्गल संवाद व विवाद, अनावश्यक अवसाद की स्थिति से बचाव किया जा सकता है। प्रथम भरसक प्रयास होना चाहिए असहज परिस्थितियों, उत्तेजक प्रक्रियाओं के समय संयम न खोना, भावुक न होना, क्रोधित न होना, विचलित होकर उतावला न होना, एवं कोई त्वरित यानी तत्काल प्रतिक्रिया न देकर उस अवांछित संवेदनशील समय अंतराल को सहजता, सरलता, सुगमता व संयमितता से टाल देना, हठधर्मिताना दिखाना। तत्पश्चात थोड़ा शांत हो अकेले में सुकून भरे वातावरण में बैठ तार्किक मनोचिंतन कर सोचना कि ऐसे हालात क्यों पैदा हुए, आपका कितना कसूर था व दूसरे का कितना कसूर था, यानी अनुकूलता को प्रतिकूलता में हुए परिवर्तित कारणों पर पक्षपात रहित, यथार्थपूर्ण, तार्किक ठोस मनोवलोकन करना। उसमें सात्विक मन से अपने हिस्से के प्रतिशत की भागीदारी स्वीकार व सुनिश्चित कर उन कारणों को सहृदय दूर करने का संकल्प लेना, ताकि ऐसी विषम स्थिति की पुनर्वृत्ति न हो। तदुपरांत किसी हितैषी जन के माध्यम से दूसरों को अपने संकल्प की जानकारी व उनके दोषों का सुखद एहसास करवाना। यह हितैषी कोई अपना निकटजन, अनुभवी काउंसलिंग प्रवृत्ति का योग्य व्यक्ति हो, तो उसे प्राथमिकता देना बेहतर होगा। अब दोनों पक्षों की आतुरता, संवादशैली, व्यवहारशैली, दोषारोपण प्रवृत्तियों, स्वार्थजनित हालातों, गुप्त एजेडों का समयोचित सहज, संयम, सखद क्षणों के निर्मल मैत्री मिलन की समयाविधि में हितैषीजनों की उपस्थिति में विचार विमर्श कर विसंगतियों को दूर करने का भावी संकल्प लेना व विश्वसनीय उपरालों के प्रयास की दिशा में ठोस कदम उठाने की पहल करना।

प.एशिया में तनाव से फिर बढ़ी वैश्विक चिंता

ईरान को इस यु) में दोषी की तरह देखने वाले लोग इस बात को क्यों नहीं देखते कि पहला हमला उसकी तरफ से नहीं हुआ और न ही उसने ऐसा कोई इरादा जाहिर किया था। लेकिन अगर उस पर वार होंगे तो पलटवार करना उसका हक बनता है। इस बार भी उसने यही किया। लेकिन उसके पड़ोसी और अमेरिका के सहयोगी सऊदी अरब की ओर से जारी बयान में कहा गया है कि ईरान की ओर से अंतरराष्ट्रीय कानून, संयुक्त राष्ट्र ...

पश्चिम एशिया में फिर तनाव बढ़ रहा है। पिछली 28 फरवरी से शुरु हुआ युद्ध अवांछित जान–माल के नुकसान के बाद बीते दिनों थमा तो दुनिया ने राहत की सांस ली थी। लेकिन 60 दिनों का युद्धविराम समाप्त होने के बाद एक बार फिर से अमेरिका और ईरान युद्ध के मुहाने पर हैं। हाल ही में अमेरिका और ईरान के बीच तीखी बयानबाजी का दौर तो चला ही, इसके अलावा शनिवार देर रात अमेरिका ने ईरान के ऊपर आरोप लगाया कि उसने साइप्रस के झंडे वाले एक जहाज पर हमला किया है। इसके बाद अमेरिका की तरफ से ईरान के करीब 140 ठिकानों पर हमला किया गया। इस हमले के बाद ईरान ने भी पलटवार किया और कुवैत, बहरीन समेत प.एशिया में मौजूद तमाम अमेरिकी ठिकानों और सैन्य उपकरणों के अड्डों को निशाना बनाया। इसके बाद ईरान की इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड्स कॉर्प्स आईआरजीसी ने चेतावनी दी है कि अगर अमेरिका आगे हमला करता है, तो वह तगड़ा पलटवार करेगा। ईरान ने दावा किया है कि उसकी नौसेना ने एक ऐसे मालवाहक जहाज को चेतावनी दी थी जो उसकी ओर से तय किए गए सुरक्षित मार्ग की बजाय दूसरे रास्ते से गुजर रहा था। अमेरिका की तरफ से हुए हमले पर पलटवार करने के साथ ही एक बार फिर से ईरान ने होर्मुज जलडमरूमध्य मार्ग को बंद कर दिया है। ईरानी संसद के स्पीकर मोहम्मद बागर गालिबाफ ने एक्स पर पोस्ट कर कहा है कि श्एकतरफा समझौतों

का दौर अब खत्म हो चुका है। हमने आपसे कहा था, अपनी बात पर कायम रहें, वरना अंजाम भुगतें। हकीकत अब सामने आ रही है।श उन्होंने अमेरिका के साथ हुए समझौते के पांचवें बिंदु का स्क्रीनशॉट भी शेयर किया है, जिसमें लिखा है कि समझौते पर हस्ताक्षर करने के बाद ईरान 60 दिनों तक बिना किसी कर वसूली के वाणिज्यिक जहाजों को फारस की खाड़ी से ओमान की खाड़ी तक सुरक्षित निकालने देगा। अब ईरान ने कहा है कि अगले आदेश तक होर्मुज जलडमरूमध्य बंद रहेगा। ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने अमेरिका पर युद्धविराम समझौते का उल्लंघन करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि अमेरिका ने ईरान को डॉलर में कच्चा तेल बेचने की जो छूट दी थी, उसे अचानक खत्म कर दिया। अराघची ने सोशल मीडिया पर लिखा, श्समझौते तभी चलते हैं जब दोनों पक्ष उसका पालन करें। इध्र अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने फिर दावा किया कि ईरान उनकी हत्या की साजिश रच रहा है। उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा कि यदि ईरान ने उनके खिलाफ कोई कार्रवाई की तो अमेरिका तुरंत जवाब देगा। ट्रंप ने कहा, श्ईरान की ओर 1000 मिसाइलें तैयार हैं और जरूरत पड़ने पर हजारों और दागी जाएंगी। श्उन्होंने यह भी दोहराया कि अमेरिका युद्धविराम को समाप्त मानता है, लेकिन बातचीत का रास्ता पूरी तरह बंद नहीं किया गया है।

इस तरह के बेतुके बयान ट्रंप शुरु से देते आए हैं। जब अमेरिका और इजरायल ने ईरान पर हमला बोला था, तब भी ईरान की तरफ से खतरा बताया गया था और उस पर परमाणु बम बनाने की साजिश का आरोप तो अमेरिका लगाता ही रहता है। जिस तरह ईरान पर हमले के नए–नए बहाने अमेरिका तलाशता है, उससे जाहिर है कि उसकी दिलचस्पी विश्वशांति में कतई नहीं है। बल्कि हथियारों का कारोबार फलता–फूलता रहा, युद्ध के कारण शेयर बाजार में उथल–पुथल जारी रहे और तेल की कीमतों में मुनाफाखोरी का मौका ट्रंप को मिले, यही असली दिलचस्पी है।

पिछले हफ्ते जब दिवंगत नेता आयतुल्लाह अली खामेनेई के लिए शोकसभाएं हो रही थीं और उन्हें सुपुर्दे खाक करने की प्रक्रिया चल रही थी, तब भी ट्रंप ने अवांछित बयान दिया था कि वे चाहें तो एक साथ कई बड़े अधिकारियों को मार सकते हैं। 28 फरवरी को अमेरिका और इजरायल के हमलों में ही खामेनेई की उनके कई परिजनों के साथ हत्या कर दी गई थी। अमेरिका और इजरायल को मुगालता था कि खामेनेई को खत्म करके वे ईरान पर अपना नियंत्रण स्थापित कर लेंगे, लेकिन ईरान पूरी मजबूती के साथ अमेरिका का मुकाबला करता रहा, जिसके बाद मजबूरन ट्रंप को समझौते के लिए राजी होना पड़ा। हालांकि इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू इसके लिए कतई राजी नहीं हैं। गजा के साथ–साथ लेबनान और ईरान दोनों जगह इजरायल की कुदृष्टि पड़ी हुई है। अपने हमलों को जायज ठहराने के लिए नेतन्याहू ने आत्मरक्षा के मनमाने सिद्धांत प्रतिपादित किए हैं, लेकिन अंतरराष्ट्रीय न्यायालय जब उन्हें युद्धअपराधी ठहरा चुका है, तो उनके किसी भी तर्क पर यकीन करना मुश्किल है। ट्रंप के लिए घरेलू स्तर पर कई कठिनाइयां ईरान युद्ध के बाद खड़ी हुईं, तो उन्होंने समझौते का रास्ता अपनाया। मगर इतनी जल्दी ट्रंप उस रास्ते से विचलित हो चुके हैं, तो इसके पीछे कोई बड़ा दबाव या दुरभि संधि काम कर रही है, ऐसा माना जा सकता है।

{ युवा कांग्रेस और एनएसयूआई के कार्यकर्ता लगातार सड़कों पर हैं, कहीं पुलिस की लाठियां खा रहे हैं, कहीं पानी की बौछारें झेल रहे हैं, यह सब भी पीड़ित छात्रों को इंसाफ दिलाने के लिए ही है। इसके बावजूद इंडिया गठबंधन के कई नेताओं और पत्रकार सवाल कर रहे हैं कि राहुल गांधी सीजेपी को समर्थन देने क्यों नहीं आते। इनसे प्रतिप्रश्न किया जाना चाहिए कि यही सवाल वे अभिजित दिपके से क्यों ... }

पार्टनर तुम्हारी पॉलिटिक्स क्या है

देश की खराब कर दी गई शिक्षा और परीक्षा व्यवस्था को सुधारने और धर्मेन्द्र प्रध्ाान के इस्तीफे की मांग को लेकर कॉकरोच जनता पार्टी का आंदोलन लगातार 25 दिनों से जारी है। इस आंदोलन में शामिल सोनम वांगचुक जंतर–मंतर पर पिछले 17 दिनों से अनशन पर हैं। कॉकरोच जनता पार्टी के संस्थापक अभिजित दिपके का कहना है कि सोनम सर खुद से न बैठ पा रहे हैं, न खड़े हो रहे हैं। जाहिर है उनकी बिगड़ती सेहत ने न केवल उनके समर्थकों की चिंता बढ़ा दी है, बल्कि अब कई जानी–मानी हस्तियां भी सोनम वांगचुक के लिए फिक्रमंद हो रही है।

अखिलेश यादव ने एक लंबी–चौड़ी पोस्ट लिखकर उनसे अनशन खत्म करने की अपील की है। अरविंद केजरीवाल, उद्धव ठाकरे, रोहित पवार, फारुख अब्दुल्ला, आतिशी, सांसद महुआ मोईत्रा, संजय सिंह, जॉन ब्रिटास, किसान नेता गुरुनाम सिंह चढूनी समेत हजारों लोगों ने उन्हें खुलकर समर्थन दिया है और उनसे अनशन समाप्त करने की लगातार अपीलें हो रही हैं। लेकिन 59 वर्षीय वांगचुक अपने फैसले पर अडिग हैं। उन्होंने कहा, श्मैंने जो शुरू किया है, उसे उसके तार्किक निष्कर्ष तक पहुंचाना होगा। सोनम वांगचुक ने संदेश दिया है कि श्मैं बाहर से कमजोर हूं, लेकिन अंदर से मजबूत हूं।श खुद को महात्मा गांधी का अनुयायी बताते हुए वांगचुक

कहते हैं कि वे गांधी के अहिंसक आंदोलन के सिद्धांतों में विश्वास करते हैं और उसी तरह भूख हड़ताल के जरिए सरकार की अंतरात्मा को जगाना चाहते हैं। बेशक गांधीजी के सिद्धांतों की कोई काट ही नहीं है, लेकिन अंतरात्मा तो उसी की जगाई जा सकती है, जिसके भीतर यह विद्यमान हो। मौजूदा मोदी सरकार का निष्ठुर रवैया देखकर तो यह कतई उम्मीद नहीं दिखती कि उसे किसी की भी तकलीफ से कोई फर्क पड़ता है। नीट पेपर लीक होने और उसके बाद दोबारा परीक्षा करवाए जाने के मानसिक तनाव में कितने होनहार युवाओं ने अपनी जिंदगी ले ली, लेकिन नरेन्द्र मोदी ने संवेदना का एक शब्द नहीं कहा। वहीं शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने इस मुद्दे पर कोटा में राहुल गांधी द्वारा आयोजित छात्रों की गूंज रैली के लिए कहा था कि उसमें दहशतगर्दों को तैयार किया जा रहा है, इसके साथ ही उन्होंने सीजेपी और उसके समर्थकों को श्विघटनकारी तत्वों की बी–टीमश बताते हुए कहा था कि उन्हें देश की तरक्की पर भरोसा नहीं है। जिन नेताओं को विरोध की आवाज पसंद नहीं और आंदोलन के लोकतांत्रिक हक को जो लोग देशविरोधी गतिविधि समझते हैं, ऐसे सत्ताधारी क्या खाक अंतरात्मा जैसे शब्दों के मायने समझेंगे। अभिजित दिपके ने कहा कि समझ नहीं आता कि सरकार देश के नागरिकों की बात को इतनी आसानी से क्यों खारिज कर रही है। हम सिर्फ जवाबदेही की मांग कर रहे हैं। हमारी केवल इतनी मांग है कि जो शिक्षा मंत्री परीक्षाएं ठीक से नहीं करा सका, उनकी जिम्मेदारी तय की जाए। बेशक अभिजित दिपके ने मुख्य न्यायाधीश द्वारा युवाओं के लिए कहे गए कॉकरोच शब्द से आहत होकर कॉकरोच जनता पार्टी बना ली और इस मुहिम को सोशल मीडिया पर समर्थन भी खूब मिला। लेकिन जब वे जमीन पर आंदोलन करने उतरे हैं तो उन्हें अपनी राजनैतिक परिपक्वता भी दिखानी होगी और मुक्तिबोध के शब्दों को उधार लेकर कहें तो पार्टनर अपनी पॉलिटिक्स भी बतानी होगी। अभिजित दिपके को यह समझना चाहिए कि मौजूदा सरकार के तौरतरीके पिछली तमाम सरकारों से बिल्कुल अलग हैं। लोकतंत्र का चोगा तो नजर आता है, लेकिन भीतर धड़कनें अधिनायकवाद की हैं। देश में पहले भी कई आंदोलन हुए हैं, जिनमें जमकर सरकार की धज्जियां उड़ाई गई हैं। सबसे बड़ी मिसाल तो 2011 का अन्ना आंदोलन ही है, जिसकी वजह से यूपीए सरकार की विदाई हुई। तब 11 दिन अन्ना हजारे अनशन पर बैठे थे और इस बीच सरकार विरोधी सारी मुहिम के बावजूद मंत्री, नेता, पदाधिकारी लगातार अन्ना हजारे और उनकी टीम से मिलते रहे। लोकपाल विधेयक कैसा होना चाहिए इसका मसौदा तैयार करने में उनसे बाकायदा चर्चा की गई। दिन–रात डा. मनमोहन सिंह, सोनिया गांधी और गांधी परिवार को कोसा गया तो भी ऐसा नहीं हुआ कि आंदोलनकारियों को सरकार ने मरने के लिए छोड़ दिया। उस समय का मीडिया भी गुलाम नहीं था, लिहाजा उसने सातों दिन चौबीसों घंटे इस आंदोलन का प्रसारण किया। क्या आज जंतर–मंतर पर हम ऐसा होते देख रहे हैं। टुकड़ों–टुकड़ों में राजनैतिक दलों के लोग मंच पर जाकर अपनी सहानुभूति, समर्थन प्रकट कर रहे हैं, मगर वहां मंच और जमीन का फर्क समझ आ रहा है। जंतर–मंतर पर बहुत से लोग ऐसे भी हैं, जो जमीन पर हैं, और वहीं अनशन कर रहे हैं। इन लोगों को न किसी राजनैतिक दल का समर्थन मिल रहा है, न इनसे अनशन खत्म करने की बड़े पैमाने पर अपील हो रही है। मुख्यधारा का मीडिया भी कई दिनों तक यहां नदारद ही रहा, अब कुछेक तथाकथित स्टार पत्रकारों के पहुंचने पर थोड़ी बहुत हलचल दिख रही है। लेकिन अन्ना हजारे जैसे फ्रंट पेज से लेकर प्राइम टाइम तक पर छाए रहते थे, वो कवरेज न सोनम वांगचुक के लिए है, न बाकी अनशनकारियों के लिए। इसलिए अभिजित दिपके को पिछली सरकारों और मोदी सरकार का फर्क समझना होगा। इस आंदोलन के बरक्स ही छात्रों की गूंज आंदोलन भी कांग्रेस चला रही है, जिसे मीडिया में हमेशा की तरह कोई जगह नहीं मिल रही।

रोहित–कोहली की जगह पक्की नहीं, कपिल देव का बड़ा बयानः प्रदर्शन ही तय करेगा भारतीय टीम में भविष्य

महान क्रिकेटर कपिल देव ने कहा है कि भारतीय टीम में विराट कोहली और रोहित शर्मा जैसे दिग्गज खिलाड़ियों का भी स्थान कभी 'पक्का' नहीं हो सकता लेकिन जब तक ये अनुभवी बल्लेबाज अच्छा प्रदर्शन करते रहेंगे, तब तक उन्हें खेलने का मौका मिलना चाहिए। रोहित (39 वर्ष) और कोहली (37 वर्ष) अपने शानदार करियर के अंतिम दौर में हैं। हालांकि इंग्लैंड के खिलाफ जारी तीन मैचों की एकदिवसीय श्रृंखला में शुरुआती दो मुकाबलों में रोहित के खराब प्रदर्शन के बाद उनके भविष्य को लेकर सवाल उठने लगे हैं। भारतीयनौसेना जानकारी

कपिल ने यहां ''कपिल देव–सुनील गुप्ता अस्पताल'' में पीटीआई से बातचीत में कहा, ''क्रिकेट में किसी का स्थान कभी भी स्थायी नहीं होता। जो लगातार अच्छा प्रदर्शन करता है, वही खेलता है। इससे फर्क नहीं पड़ता कि वह कौन है। मेरा मानना है कि प्रदर्शन पर नजर रखिए और जब तक खिलाड़ी अच्छा खेल रहा है, उसे खेलने दीजिए।'' उन्होंने कहा कि ऐसे वरिष्ठ खिलाड़ियों के भविष्य पर फैसला लेने का अधिकार चयनकर्ताओं और टीम प्रबंधन का है। कपिल ने कहा, ''सचिन तेंदुलकर ने जब संन्यास लिया, तब उनमें काफी क्रिकेट बाकी था।

यह फैसला चयनकर्ताओं का काम है। मैं यह नहीं कहूंगा कि किसे बाहर किया जाए। यह चयनकर्ताओं और टीम प्रबंधन की जिम्मेदारी है। मैं तो सिर्फ टीवी पर मैच देखकर अपनी राय दे सकता हूं।'' उन्होंने कहा, ''टीम प्रबंधन और चयनकर्ताओं पर भरोसा रखिए कि वे भारत के लिए सर्वश्रेष्ठ टीम चुनेंगे। अगर टीम हारती भी है, तब भी हमें उनके साथ खड़ा रहना चाहिए।''

उन्होंने कहा, ''रोहित अब 20 साल के नहीं हैं। वह लगभग 40 वर्ष के हैं और हर खिलाड़ी को एक दिन संन्यास लेना ही पड़ता है। लेकिन उन्होंने सिर्फ भारत ही नहीं, बल्कि दुनिया भर के क्रिकेट प्रेमियों को जो खुशी दी है उसके लिए उन्हें सलाम।'' कपिल ने कहा, ''उन्होंने इतने वर्षों तक भारतीय क्रिकेट को जो योगदान दिया है, उस पर हमें गर्व होना चाहिए। जब तक वह खेल सकते हैं या जब तक चयनकर्ताओं और कप्तान को लगता है कि उन्हें खेलना चाहिए, तब तक उन्हें अवसर मिलना चाहिए।'' 1983 विश्व कप विजेता कप्तान ने चयनकर्ताओं से उम्र या खिलाड़ी की प्रतिष्ठा जैसे पहलुओं से ऊपर उठकर ऐसी टीम चुनने की अपील की जो भारत के लिए मैच जीत सके।

उन्होंने कहा, ''अगर टीम बदलाव के दौर से गुजर रही है तो इसमें कोई बुराई नहीं है। कल कोई नया खिलाड़ी आएगा और जिम्मेदारी संभालेगा। हमें सिर्फ बैठकर इसका आनंद लेना चाहिए।'' उन्होंने कहा, ''हमारे पास प्रतिभा की कोई कमी नहीं है। जरूरत इस बात पर ध्यान देने की है कि कौन खिलाड़ी टीम के लिए सर्वश्रेष्ठ है। बहुत ज्यादा बदलाव करने की कोशिश नहीं करनी चाहिए। सबसे महत्वपूर्ण चीज जीत है।

अगर कोई खिलाड़ी अच्छा है तो उसकी उम्र या कद देखकर फैसला नहीं करना चाहिए। ऐसी टीम चुननी चाहिए जो भारत को जीत दिला सके।'' आयरलैंड और इंग्लैंड के खिलाफ टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखलाओं में भारत को क्रमशरू 0–2 और 0–4 से मिली हार पर कपिल ने कहा, ''पिछले तीन–चार वर्षों में भारतीय टीम ने जिस तरह का प्रदर्शन किया, उसके बाद मुझे इतनी खराब स्थिति की उम्मीद नहीं थी। लेकिन खेल में ऐसा होता है। प्रदर्शन का एक चक्र होता है, कभी ऊपर जाता है, कभी नीचे आता है। दूसरी टीमें भी लगातार बेहतर होने की कोशिश करती हैं। मुझे लगता है कि यह भारतीय क्रिकेट के लिए एक नयी शुरुआत है।

अर्जेंटीना का डबल दांव, स्पेन से भिड़ंत में खिताब बचाने की चुनौती

डिफेंडिंग चौंपियन अर्जेंटीना ने स्पेन के खिलाफ फीफा वर्ल्ड कप 2026 के फाइनल से पहले जबरदस्त आत्मविश्वास दिखाया है। उन्होंने अपने ऑफिशियल सोशल मीडिया अकाउंट पर एक इमोशनल वीडियो शेयर किया, जिसमें टीम के सफर और टाइटल को बरकरार रखने के उनके संकल्प का जश्न मनाया गया है। यह वीडियो एक्स पर पोस्ट किया गया, जिसमें टीम के फाइनल तक पहुँचने के सफर और नेशनल जर्सी के प्रति खिलाड़ियों के समर्पण को दिखाया गया। अर्जेंटीना की आधिकारिक टीम के अकाउंट ने कहा कि **SeniorTeam** क्योंकि जो हमने हासिल किया है, हम उससे कभी संतुष्ट नहीं होते, इसलिए हम फिर से तैयार हैं। चलो सब कुछ हासिल करते हैं, अर्जेंटीना!

अर्जेंटीना का मुकाबला न्यूयॉर्क–न्यू जर्सी स्टेडियम में यूरोपियन चैंपियन स्पेन से होगा। यह कोपा अमेरिका के मौजूदा चौंपियन और यूरोपियन चैंपियन के बीच पहला फीफा वर्ल्ड कप फाइनल होगा। लियोनेल स्कालोनी की कोचिंग में, अर्जेंटीना ने सेमीफाइनल में इंग्लैंड के खिलाफ 2–1 से रोमांचक वापसी करते हुए सातवीं बार वर्ल्ड कप फाइनल में जगह बनाई। टीम ने नॉकआउट राउंड में जबरदस्त जज्बा दिखाया है और अक्सर मैचों के आखिर में निर्णायक गोल किए हैं। अर्जेंटीना ने लगातार 14 जीत हासिल करके किसी दक्षिण अमेरिकी देश के सबसे लंबे विनिंग स्ट्रीक (लगातार जीत का सिलसिला) की बराबरी कर ली है और 85वें मिनट के बाद आठ गोल करके टूर्नामेंट का रिकॉर्ड भी बनाया है। स्पेन का डिफेंसिव रिकॉर्ड बहुत मजबूत रहा है। केप वर्डे के खिलाफ बिना किसी गोल के ड्रॉ के बाद, लुइस डे ला फुएंते की टीम ने लगातार छह मैच जीते हैं और फाइनल तक पहुंचने के रास्ते में ऑस्ट्रिया, पुर्तगाल, बेल्जियम और फ्रांस को हराया है। श्ला रोजाश ने टूर्नामेंट में सिर्फ एक गोल खाया है और वे पुरुषों के वर्ल्ड कप के एक ही एडिशन में छह बार श्क्लीन शीटश (बिना गोल खाए मैच खत्म करना) रखने वाली पहली टीम बन गए हैं। जीत मिलने पर स्पेन का बिना हारे लगातार मैच खेलने का सिलसिला 38 मैचों तक पहुंच जाएगा, जिससे किसी यूरोपीय पुरुष राष्ट्रीय टीम के सबसे लंबे समय तक बिना हारे खेलने का नया रिकॉर्ड बनेगा और वे अपना दूसरा फीफा वर्ल्ड कप खिताब भी जीत लेंगे।

ग्राम पंचायत का डीएम ने किया स्थलीय निरीक्षण

जौनपुर। जिलाधिकारी सैमुअल पॉल एन एल. द्वारा विकास खंड रामनगर की ग्राम पंचायत सैयूर का स्थलीय निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान ग्राम पंचायत में संचालित विभिन्न विकास कार्यों एवं जनोपयोगी परिसंपत्तियों का गहन अवलोकन किया गया। अमृत सरोवर का निरीक्षण किया तथा परिसर स्थित अमृत वाटिका में वृक्षारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। उन्होंने जल संरक्षण एवं हरित वातावरण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से अधिक से अधिक वृक्ष लगाने एवं उनके संरक्षण पर बल दिया। अन्नपूर्णा भवन का निरीक्षण कर वहाँ उपलब्ध व्यवस्थाओं एवं संचालन का जायजा लिया। तत्पश्चात रूरल रिसोर्स सेंटर (आरआरसी सेंटर) का निरीक्षण करते हुए डीपीआरओ को क्रियाशील करने तथा केंद्र के संचालन एवं उपलब्ध संसाधनों की समीक्षा की गई। इसके बाद सामुदायिक शौचालय का निरीक्षण कर साफ–सफाई, पेयजल, विद्युत एवं रखरखाव संबंधी व्यवस्थाओं का अवलोकन किया गया। जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को निर्देशित किया कि ग्राम पंचायत में निर्मित सभी सार्वजनिक परिसंपत्तियों का नियमित रखरखाव सुनिश्चित किया जाए ।

गौमाता को मिले राष्ट्रीय संरक्षण, बने गो मंत्रालय

फतेहपुर। गौमाता को राष्ट्रीय संरक्षण दिलाने व देश में अलग गो मंत्रालय के गठन की मांग को लेकर चल रहा गौ सम्मान आवाह्न अभियान अब निर्णायक चरण में पहुंच गया है। अभियान के तहत धर्मेंद्र सिंह जनसेवक को जिला प्रमुख की जिम्मेदारी सौंपी गई है। अभियान की प्रभारी साध्वी राधिका ने कहा कि जिले में हस्ताक्षर अभियान अपने लक्ष्य के करीब पहुंच चुका है और अब इसे जन–जन का आंदोलन बनाने की तैयारी पूरी कर ली गई है। साध्वी राधिका ने बताया कि अभियान का मुख्य उद्देश्य गाय के संरक्षण के लिए राष्ट्रीय कानून बनवाना तथा केंद्र सरकार से अलग गो मंत्रालय की स्थापना कराना है। इसके लिए जिलेभर में व्यापक जनसंपर्क अभियान चलाया जा रहा है। फतेहपुर के सैकड़ों विद्यालयों, सामाजिक संगठनों और युवाओं के बीच पहुंचकर हस्ताक्षर कराए गए हैं। उन्होंने बताया कि विश्व हिंदू परिषद, गायत्री परिवार, गीता प्रेस गोरखपुर, पतंजलि योगपीठ सहित अनेक धार्मिक एवं सामाजिक संगठन इस अभियान में सहयोग कर रहे हैं। जिला प्रमुख धर्मेंद्र सिंह जनसेवक ने बताया कि अभियान के दूसरे चरण में 27 जुलाई को राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री के नाम संबोधित ज्ञापन जिलाधिकारी के माध्यम से भेजा जाएगा। ज्ञापन के साथ प्रत्येक जिले से पांच लाख हिंदू युवाओं और नागरिकों के हस्ताक्षर भेजे जाने का लक्ष्य रखा गया है। उन्होंने बताया कि 27 जुलाई को सुबह 8 बजे नहर कॉलोनी से अभियान के कार्यकर्ता एकत्र होकर विशाल जनजागरण यात्रा निकालेंगे। यह यात्रा पटेल नगर होते हुए सुबह 10 बजे कलेक्ट्रेट पहुंचेगी, जहां जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपा जाएगा। अभियान से जुड़े सैकड़ों युवा इस जनआंदोलन को घर–घर तक पहुंचाने में जुटे हैं। अभियान के पदाधिकारियों ने जिले के नागरिकों से अपील की है कि वे अधिक से अधिक संख्या में इस अभियान से जुड़कर गौ संरक्षण के लिए अपनी भागीदारी सुनिश्चित करें।

ईरान ने यूएस को दी बड़ी चेतावनी, भूला नहीं पाओगे ऐसा सबक सिखाएंगे, Middle East में बढ़ा तनाव

अमेरिका और ईरान के बीच एक–दूसरे पर हमले जारी हैं। इसी बीच, तेहरान ने कहा कि पिछले महीने वॉशिंगटन के साथ हुआ समझौता अब खत्म हो गया है। ईरान ने अमेरिका पर उस शांति समझौते का उल्लंघन करने का आरोप लगाया है, जिसका मकसद मध्य पूर्व में चार महीने से ज्यादा समय से चल रहे टकराव को सुलझाना था। फार्स न्यूज एजेंसी के मुताबिक, ईरान के उप–विदेश मंत्री काजेम गरीबाबादी ने एक बयान में कहा कि अमेरिका ने इस्लामाबाद **MoU** के तहत किए गए अपने सभी वादों का उल्लंघन किया है और उन्हें रोक दिया है। उन्होंने कहा कि हमने भी अपने वादों को रोक दिया हैय हम उन्हें लागू नहीं कर रहे हैं और देश की रक्षा में लगे हुए हैं। ईरान के इस ऐलान से मध्य पूर्व में हालात और अस्थिर हो सकते हैं, जहाँ 28 फरवरी को टकराव शुरू होने के बाद से ही स्थिति तनावपूर्ण बनी हुई है। गौरतलब है कि यह घटनाक्रम अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के उस बयान के कुछ दिनों बाद हुआ है जिसमें उन्होंने कहा था कि वॉशिंगटन अब ईरान के साथ युद्धविराम में दिलचस्पी नहीं रखता है, क्योंकि इस्लामिक रिपब्लिक ने समझौते का उल्लंघन किया है। वहीं, ईरान के सर्वोच्च नेता मोजतबा खामेनेई ने शनिवार को एक नए बयान में चेतावनी दी कि अगर अमेरिका हमले जारी रखता है तो उसे ऐसा सबक सिखाया जाएगा, जिसे वह कभी भूल नहीं पाएगा। युद्ध शुरू होने के बाद से खामेनेई अभी तक सामने नहीं आए हैं, लेकिन उनके इस बयान को सरकारी टेलीविजन पर पढ़कर सुनाया गया। खामेनेई ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के हस्ताक्षर को भी बेकार और अमान्य बताया।

इससे पहले शनिवार को ही ईरान के एक वार्ताकार ने कहा था कि तेहरान करीब एक महीने पहले दोनों देशों के बीच हुए अंतरिम समझौते को अब नहीं मानेगा और अपनी प्रतिबद्धताओं को निलंबित कर रहा है। इस समझौते का मुख्य उद्देश्य युद्ध को हमेशा के लिए खत्म करना था।

किलियन एमबाप्पे ने रचा इतिहास, लियोनल मेस्सी का विश्व कप रिकॉर्ड तोड़ बने सबसे बड़े गोल स्कोरर

किलियन एमबाप्पे ने शनिवार को इंग्लैंड के खिलाफ तीसरे स्थान के मैच में फ्रांस के लिए दो गोल करके फुटबॉल विश्व कप में अपने कुल गोल की संख्या 22 तक पहुंचाई और लियोनल मेस्सी के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया। एमबाप्पे ने मौजूदा विश्व कप में 10 गोल किए हैं और 'गोल्डन बूट' की दौड़ में मेस्सी से दो गोल आगे चल रहे हैं। यह पुरस्कार टूर्नामेंट में सर्वाधिक गोल करने वाले को दिया जाता है। जब एमबाप्पे ने 48वें मिनट में गोलकीपर डीन हेंडरसन को छकाते हुए गोल किया तब फ्रांस 0–4 से पीछे चल रहा था। इसके बाद 66वें मिनट में उन्होंने लगभग 14 गज की दूरी से बाएं पैर से शॉट मारकर फिर से हेंडरसन को पछाड़ा और मेस्सी के विश्व कप में सर्वाधिक 21 गोल के करियर रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया। एमबाप्पे के दूसरे गोल से फ्रांस ने स्कोर 3–4 किया लेकिन टीम जीत दर्ज करने में नाकाम रही। फ्रांस की टीम इससे पहले लगातार तीसरी बार विश्व कप फाइनल में जगह बनाने से चूक गई थी क्योंकि उसे सेमीफाइनल में स्पेन के खिलाफ शिकस्त झेलनी पड़ी। एमबाप्पे ने चार साल पहले कतर में आठ गोल करके गोल्डन बूट जीता था जहां फ्रांस फाइनल में पेनल्टी शूटआउट में मेस्सी की कप्तानी वाली अर्जेन्टीना की टीम से हार गया था।

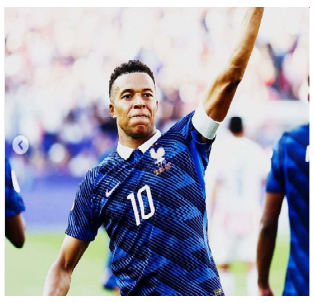

बलूचिस्तान में छात्रों के गायब होने की घटनाएं तेज, सामी बलूच ने पाकिस्तान सरकार को घेरा

बलूच मानवाधिकार कार्यकर्ता सामी दीन बलूच ने बलूचिस्तान में छात्रों के कथित तौर पर जबरन गायब किए जाने की हालिया घटनाओं में बढ़ोतरी पर चिंता जताई है। उन्होंने कहा है कि पिछले कुछ दिनों में यह सिलसिला और तेज हो गया है। एक्स पर पोस्ट किए गए एक बयान में बलोच ने कहा कि बलोचिस्तान में लोगों के जबरदस्ती गायब किए जाने का सिलसिला कभी पूरी तरह से नहीं रुका, लेकिन खासकर पिछले कुछ दिनों में छात्रों के जबरदस्ती गायब किए जाने की घटनाओं में खतरनाक और चिंताजनक तेजी आई है।

उन्होंने आरोप लगाया कि शांतिपूर्ण राजनीतिक संगठनों से जुड़े छात्रों और युवाओं को उनके घरों, हॉस्टलों और शिक्षण संस्थानों से ले जाया जा रहा था। इस तरीके को असफल और अमानवीय सरकारी नीतिष बताते हुए उन्होंने कहा कि उग्रवाद–विरोधी कार्रवाई के नाम पर लोगों को जबरदस्ती गायब करने से प्रांत में स्थिरता नहीं आई है। उन्होंने कहा कि अगर यह तरीका सच में शांति लाने का जरिया होता, तो बलूचिस्तान आज खून–खराबे, अशांति और नफरत की दलदल में नहीं डूबा होता। उन्होंने आगे कहा कि ऐसी नीतियां सिर्फ नाराजगी और हिंसा को और बढ़ाती हैं। बलोच ने आगे दावा किया कि लोगों को बिना किसी कानूनी प्रक्रिया के सालों तक हिरासत में रखा जाता है और उन्हें यातना और अपमान का सामना करना पड़ता है। उनके अनुसार, ऐसी कार्रवाइयों से प्रभावित युवाओं में गुस्सा और बदले की भावना पैदा होती है, और उनमें से कुछ बाद में हिंसा का रास्ता अपना लेते हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि अधिकारी समस्या की असल वजहों की जांच करने के बजाय, जबरन गायब किए जाने के खिलाफ अभियान चलाने वालों पर ही उग्रवाद को बढ़ावा देने का आरोप लगाते हैं। उन्होंने सरकार पर शांतिपूर्ण राजनीतिक कार्यकर्ताओं और मानवाधिकार रक्षकों पर जिम्मेदारी डालने की कोशिश करने का भी आरोप लगाया। बलोच ने कहा कि अस्थिरता की असली वजहें गैर–कानूनी हरकतें, सरकारी दमन और अत्याचारी नीतियां हैं, जो उनके तर्क के अनुसार, विवाद को सुलझाने के बजाय दुश्मनी को और बढ़ाती हैं। अपनी बात खत्म करते हुए, बलोच ने अधिकारियों से आग्रह किया कि वे आलोचकों को निशाना बनाने के बजाय अपने तौर–तरीकों पर फिर से विचार करें।

जॉर्डन हमले का बदलाः यूएस ने ईरान पर किए घातक हवाई हमले, आईआरजीसी को निशाना

रविवार को अमेरिका ने ईरान के रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स को तेजी से सजा देने के लिए नए हवाई हमले किए। यूएस सेंट्रल कमांड ने इसकी जानकारी दी है। यह कार्रवाई जॉर्डन में हुए उस हमले के जवाब में की गई जिसमें दो अमेरिकी सैनिक मारे गए, एक लापता हो गया और चार को अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा। एक्स पर एक पोस्ट में, यूएस सेंट्रल कमांड ने कहा कि ये हमले अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के निर्देश पर किए गए थे। इनका मकसद होर्मुज जलडमरूमध्य से तेल टैंकरों की आवाजाही को रोकने की ईरान की क्षमता को और कम करना था। युद्ध से पहले, दुनिया भर में होने वाली तेल सप्लाई का लगभग 20 प्रतिशत हिस्सा इसी जलमार्ग से आता था। CENTCOM ने कहा कि आज शाम 6 बजे ET पर, कमांडर–इन–चीफ के आदेश पर अमेरिकी सेना ने ईरान के खध्लिाफ नए हवाई हमले शुरू किए। इन हमलों का मकसद होर्मुज जलडमरूमध्य में कमर्शियल जहाजों के लिए खतरा पैदा करने की ईरान की क्षमता को और कम करना है, और उन इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स बलों को तुरंत सजा देना है जिन्होंने कल रात जॉर्डन में अमेरिकी सैनिकों पर हमले किए थे। अमेरिका की ओर से ये ताजा हमले तब किए गए जब अमेरिकी सेना ने इस संघर्ष की शुरुआत के बाद से ईरान की सीधी गोलीबारी में अपने सैनिकों की मौत की पुष्टि की। ये मौतें शुक्रवार को जॉर्डन में अमेरिकी सैन्य अड्डे पर हुए ड्रोन और मिसाइल हमले के बाद हुईं। एक आधिकारिक बयान में, CENTCOM ने 17 जुलाई को हुए उस हमले का जिक्र किया, जब अमेरिकी और सहयोगी सेनाएँ हमलों का जवाब दे रही थीं।

बयान में कहा गया कि हमले में घायल हुए चार अमेरिकी सैनिकों को जॉर्डन के अस्पतालों में ले जाया गया और अब उन्हें छुट्टी दे दी गई है, जबकि मामूली चोटों के कारण इलाज कराने वाले अन्य सैनिक ड्यूटी पर लौट आए हैं। ब्म्छज्ब्ड ने सैनिकों की मौत की पुष्टि तो की, लेकिन मारे गए सैनिकों की पहचान उजागर नहीं की और न ही हमले के बारे में कोई अतिरिक्त जानकारी दी।

ईरान के सुप्रीम लीडर मोजतबा खामेनेई देश में नहीं! सऊदी मीडिया का बड़ा दावा

सऊदी समाचार आउटलेट अल–हदाथ की एक रिपोर्ट के अनुसार, रविवार को इजराइल के एक सुरक्षा सूत्र ने दावा किया कि ईरान के सर्वोच्च नेता मोजतबा खामेनेई ईरान में नहीं हैं। रिपोर्ट में उनकी मौजूदा जगह के बारे में कोई जानकारी नहीं दी गई और न ही इस दावे के समर्थन में कोई सबूत पेश किया गया। 28 फरवरी को अमेरिका और इजराइल के संयुक्त सैन्य हमलों में अपने पिता अली खामेनेई के मारे जाने के बाद, खामेनेई ने ईरान के सर्वोच्च नेता का पद संभाला। पद संभालने के बाद से वे कभी भी सार्वजनिक रूप से सामने नहीं आए हैं और उन्होंने केवल लिखित बयानों के जरिए ही बातचीत की है। अल–हदाथ के बताए गए सोर्स के अनुसार, खामेनेई के आधिकारिक संदेश इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (प्त्ळब्) के नए नियुक्त प्रमुख अहमद वाहिदी और प्त्ळब् के अन्य वरिष्ठ सदस्यों द्वारा तैयार किए जाते हैं। इजराइली सुरक्षा सोर्स के हवाले से कहा गया कि ईरान में अंदरूनी मतभेद गहरे हैं और इनसे इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स के अस्तित्व को खतरा है। इसके अलावा, इजराइली सोर्स ने कहा कि अमेरिका नहीं चाहता कि इजराइल ईरान के खिलाफ जवाबी कार्रवाई में शामिल हो, भले ही तेहरान इजराइली क्षेत्र पर हमला करे। ये गंभीर अंदरूनी मतभेद साथ ही साथ तेहरान की सड़कों पर भी दिखाई दे रहे हैं। इससे पहले, खामेनेई ने चेतावनी दी थी कि अगर अमेरिका इस्लामी गणराज्य पर हमले जारी रखता है तो उसे अमिट सबक भुगतने पड़ेंगे। साथ ही, उन्होंने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के हस्ताक्षर को बेकार और अमान्य बताया था। ईरानी सरकारी टेलीविजन पर प्रसारित खामेनेई के इन बयानों के कुछ घंटों बाद ही ईरान के एक वार्ताकार ने घोषणा की कि तेहरान उस अंतरिम समझौते से पीछे हट रहा है जिसका उद्देश्य शत्रुता को स्थायी रूप से समाप्त करने की नींव रखना था। खामेनेई ने यह भी चेतावनी दी कि ईरान और उसके क्षेत्रीय सहयोगी, जिन्हें सामूहिक रूप से प्रतिरोध की धुरी के रूप में जाना जाता है, अमेरिकी सैन्य कार्रवाई जारी रखने पर जवाबी कार्रवाई करेंगे, जिससे एक व्यापक क्षेत्रीय टकराव की संभावना का संकेत मिलता है। जैसे–जैसे संघर्ष नए हमलों और धमकियों में तब्दील हो रहा है, रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण होर्मुज जलडमरूमध्य के आसपास लड़ाई तेज हो गई है। दोनों पक्ष उस जलमार्ग पर नियंत्रण के लिए तेजी से प्रयास कर रहे हैं जिससे होकर दुनिया के लगभग एक–पांचवें कच्चे तेल का परिवहन होता है। इससे वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति और लंबे समय तक चलने वाले संघर्ष के जोखिम को लेकर चिंताएं बढ़ रही हैं।

खराब बिजली आपूर्ति को लकर प्रदर्षन

जौनपुर। महाराजगंज में खराब बिजली आपूर्ति और जर्जर विद्युत ढांचे से परेशान किसानों ने किसान समता समिति के नेतृत्व में विरोध प्रदर्शन किया। बड़ी संख्या में किसान महाराजगंज चौराहा और लोहिंदा चौराहा पर एकत्र हुए और प्रशासन तथा विद्युत विभाग के सामने अपनी मांगें रखीं।प्रदर्शन के दौरान किसानों ने बताया कि अनियमित बिजली आपूर्ति के कारण सिंचाई कार्य प्रभावित हो रहा है, जिससे फसलों को नुकसान हो रहा है। उन्होंने ग्रामीण क्षेत्रों में विद्युत व्यवस्था को दुरुस्त करने और किसानों को नियमित एवं निर्बाध बिजली उपलब्ध कराने की मांग की। इसके बाद, किसानों के एक प्रतिनिधि मंडल ने भटपुरा विद्युत उपकेंद्र पहुंचकर एसडीओ, जेई और अन्य विभागीय अधिकारियों को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में बिजली आपूर्ति में सुधार, जर्जर लाइनों और उपकरणों की मरम्मत तथा किसानों की समस्याओं के त्वरित समाधान की मांग की गई। विभाग के अधिकारियों ने किसानों को आश्वासन दिया कि अगले 24 घंटे के भीतर बिजली व्यवस्था में आवश्यक सुधार के लिए कार्रवाई की जाएगी। इस आश्वासन के बाद प्रदर्शन शांतिपूर्वक समाप्त हो गया।

जांच में फर्जी निकला 68 हजार की लूट

जौनपुर। शहर कोतवाली क्षेत्र के रसूलाबाद में .शाम कथित लूट का मामला पुलिस जांच में फर्जी निकला। प्रारंभिक जांच और घटनास्थल के सीसीटीवी फुटेज की पड़ताल में कर्मचारी द्वारा सुनाई गई लूट की कहानी संदिग्ध पाई गई। पुलिस के अनुसार, शराब कारोबारी के कर्मचारी विकास यादव ने सूचना दी थी कि बाइक सवार तीन बदमाशों ने तमंचे के बल पर उससे 68,840 लूट लिए। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच शुरू की और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाले।जांच के दौरान कर्मचारी के बयान और सीसीटीवी फुटेज में कई विरोधाभास सामने आए। इसके बाद शराब कारोबारी ने अपने कर्मचारी पर रकम के गबन और झूठी लूट की कहानी गढ़कर धन हड़पने का आरोप लगाते हुए तहरीर दी। तहरीर के आधार पर शहर कोतवाली पुलिस ने विकास यादव पुत्र लाल जीत यादव निवासी नाथूपुर थाना जफराबाद के विरुद्ध की गबन और आपराधिक विश्वासघात से संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है। वही पुलिस का कहना है कि मामले की सभी पहलुओं से जांच की जा रही है। उपलब्ध साक्ष्यों, सीसीटीवी फुटेज और अन्य तकनीकी तथ्यों के आधार पर आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी।

लापरवाही से एक घण्टे कक्षा में बन्द रहा छात्र

जौनपुर।सिरकोनी क्षेत्र के प्राथमिक विद्यालय वनपुरवा में स्कूल स्टॉप की लापरवाही के चलते क्लास रूम में मासूम छात्र एक घण्टे तक बंद रहा।उसके बाद उसे बाहर निकाला गया।घटना का वीडियो वायरल हो रहा है। कक्षा दो का छात्र विपिन निषाद जब स्कूल बंद होने के काफी देर बाद भी घर नहीं पहुंचा तो उसके परिजनों ने उसकी उसकी खोजबीन शुरू किया।उसी दौरान उन्हें किसी ने सूचना दिया कि बच्चा स्कूल के एक कमरे में बंद है। परिजन मौके पर पहुंचकर स्कूल के स्टाफ को जानकारी दिया।उसके बाद उसे लगभग एक घण्टे बाद बन्द कमरे से बाहर निकाला गया।घटना का वीडियो किसी ने बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया।इस संबंध में बीएसए समीर से पूछा गया तो उन्होंने बताया कि मामला उनके संज्ञान में आया है।इस संबंध में जांच के बाद कार्रवाई की जाएगी।बीईओ अमरेश कुमार सिंह ने कहा कि बीएसए के निर्देश पर मैं मौके पर जाकर उन्हें जांच की रिपोर्ट दूंगा।फिलहाल यह स्टॉप की लापरवाही है।

किसानों को कृषि यंत्रों पर मिलेगा भारी अनुदान

फतेहपुर। प्रदेश सरकार ने किसानों को आधुनिक खेती से जोड़ने के लिए कृषि यंत्रों पर अनुदान देने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। नेशनल मिशन ऑन एग्रीकल्चरल मैकेनाइजेशन (एनएमएएम) के तहत किसान अब कृषि ड्रोन, फार्म मशीनरी बैंक, कस्टम हायरिंग सेंटर, फसल अवशेष प्रबंधन यंत्र, दाल मिल, मिलेट प्लांटर, स्प्रेयर समेत विभिन्न कृषि यंत्रों पर अनुदान प्राप्त कर सकेंगे। इसके लिए ऑनलाइन बुकिंग 16 जुलाई से शुरू हो चुकी है, जो 10 अगस्त 2026 की रात्रि 12 बजे तक चलेगी। उप कृषि निदेशक राम जतन मिश्र ने बताया कि योजना के तहत सब मिशन ऑन एग्रीकल्चरल मैकेनाइजेशन, फसल अवशेष प्रबंधन, राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन, त्वरित मक्का विकास कार्यक्रम, दलहन मिशन तथा फसल विविधीकरण कार्यक्रम के अंतर्गत विभिन्न कृषि यंत्रों पर अनुदान दिया जाएगा। किसानों को कस्टम हायरिंग सेंटर, फार्म मशीनरी बैंक, कृषि ड्रोन, बैच ड्रायर, पॉपिंग मशीन, मक्का शेलर, मिलेट प्लांटर, मानव चालित एवं पावर चालित स्प्रेयर, बखारी और दाल मिल सहित अन्य यंत्रों का लाभ मिलेगा। उन्होंने बताया कि कृषि यंत्रों की बुकिंग विभागीय पोर्टल पर ऑनलाइन की जाएगी। विकास खंड स्तर पर आवेदन किए जाएंगे, जबकि एग्रीगेटर (100 लाख रुपये परियोजना) और सेल्फ प्रोपेल्ड शुगरकेन हार्वेस्टर के लिए राज्य स्तर पर ऑनलाइन आवेदन होंगे।

नकली व नशीली दवाएं सीज कीमत एक करोड़ 13 लाख रुपये,तीन अवैध गोदामों पर भी छापा

दैनिक बुद्ध का संदेश

गोन्डा। जनपद में अमन फार्मा पर चले छापेमारी में लाखों के प्रतिबंधित व नशीली दवाओं के खेप मिले हैं। अधिकारियों से प्राप्त सूचना के अनुसार कार्रवाई के दौरान एक आरोपी को गिरतार किया गया,खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन मुख्यालय,लखनऊ के निर्देशन में प्राप्त गोपनीय अभिसूचना के आधार पर जनपद गोन्डा के बरियार पुरवा,सोनार गली,बड़गांव क्षेत्र में 16, 17 एवं 18 जुलाई 2026 तक लगातार तीन दिनों तक विशेष सघन छापामार अभियान चलाया गया।इस अभियान में प्रदेश के 9 जनपदों के औषधि निरीक्षकों तथा स्थानीय पुलिस बल की संयुक्त टीम ने भाग लिया।संयुक्त टीम सबसे पहले गोंडा–बलरामपुर मार्ग स्थित जयनगरा, बड़गांव में संचालित बताए गए अमन फार्मास्युटिकल्स की जांच के लिए पहुंची।जांच के दौरान फर्म निर्धारित पते पर संचालित नहीं मिली और न ही वहां कोई साइन बोर्ड लगा पाया गया। इसके बाद टीम ने पूछताछ करते हुए संचालक अमन कसौधन के आवास पर पहुंचकर जांच की।पूछताछ के दौरान अमन के भाई शिवम कसौधन ने स्वीकार किया कि वह और उसका भाई बरियार पुरवा स्थित एक स्थान से औषधियों का कारोबार करते हैं तथा उनके पास औषधि कारोबार से संबंधित कोई वैध लाइसेंस नहीं है।जांच आगे बढ़ने पर टीम को इनके द्वारा संचालित दो अन्य गोदामों की भी जानकारी मिली,जो बिना किसी वैधानिक औषधि अनुज्ञप्ति के अवैध रूप से संचालित किए जा रहे थे।टीम ने औषधियों के क्रय–विक्रय संबंधी अभिलेख, खरीद बिल, स्टॉक रजिस्टर एवं अन्य वैधानिक दस्तावेज प्रस्तुत करने को कहा तो संचालक कोई भी दस्तावेज उपलब्ध नहीं करा सके। इसके बाद तीनों गोदामों में रखी भारी मात्रा में दवाओं को मौके पर ही सीज कर दिया गया। कार्यवाही के दौरान भारी मात्रा में बरामद प्रतिबंधित दवाओं

का अनुमानित बाजार मूल्य लगभग 1 करोड़ 13 लाख रुपये आंका गया है।संयुक्त टीम ने जांच के लिए 19 विभिन्न औषधियों के नमूने भी एकत्र किए हैं, जिन्हें तत्काल राजकीय प्रयोगशाला में परीक्षण हेतु भेज दिया गया है।परीक्षण रिपोर्ट प्राप्त होने तथा विवेचना पूरी होने के बाद संबंधित दोषी व्यक्तियों एवं फर्मों के विरुद्ध औषधि एवं प्रसाधन सामग्री अधिनियम,1940 की प्रासंगिक धाराओं के अंतर्गत विधिक कार्रवाई करते हुए परिवाद दाखिल किया जाएगा।कार्रवाई के दौरान पुलिस ने मुख्य संचालकों में शामिल शिवम कसौधन पुत्र प्रमोद कसौधन निवासी रानी बाजार, बड़गांव, गोन्डा को गिरतार कर लिया। वहीं उसका भाई एवं इस अवैध कारोबार का मुख्य संचालक अमन कसौधन मौके से फरार हो गया। उसकी गिरतारी के लिए पुलिस की कई टीमें संभावित ठिकानों पर लगातार दबिश दे रही हैं।अधिकारियों ने बताया कि अवैध रूप से मनःप्रभावी एवं नशीली औषधियों का कारोबार कर युवाओं में नशे की प्रवृत्ति को बढ़ावा देने जैसे गंभीर अपराध को देखते हुए आरोपियों के विरुद्ध स्वापक औषधि एवं मनःप्रभावी पदार्थ (एनडीपीएस) अधिनियम, 1985 की धारा 8/21 के तहत थाना कोतवाली नगर, गोंडा में एफआईआर संख्या 0676, दिनांक 19 जुलाई 2026 दर्ज कराई गई है।

21 जुलाई को प्रस्तावित कार्यक्रम को लेकर प्रशासन पूरी तरह अलर्ट, अधिकारियों ने स्थल का किया निरीक्षण

दैनिक बुद्ध का संदेश

श्रावस्ती। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के 21 जुलाई को प्रस्तावित श्रावस्ती दौरे को लेकर जिला प्रशासन ने तैयारियां तेज कर दी हैं। मुख्यमंत्री का कार्यक्रम विकास खंड इकौना के ग्राम टंडवा महंत स्थित ऐतिहासिक सीताद्वार मंदिर परिसर में प्रस्तावित है। इसे लेकर रविवार को प्रशासनिक अधिकारियों ने कार्यक्रम स्थल का निरीक्षण कर सुरक्षा एवं व्यवस्थाओं का विस्तृत जायजा लिया।मुख्यमंत्री के आगमन को देखते हुए कार्यक्रम स्थल पर आने–जाने वाले मार्गों, पार्किंग स्थल तथा मंदिर परिसर में सुरक्षा के विशेष इंतजाम किए जा रहे हैं ताकि मुख्यमंत्री का दौरा शांतिपूर्ण एवं व्यवस्थित ढंग से संपन्न हो सके।जिला प्रशासन का कहना है कि मुख्यमंत्री के प्रस्तावित कार्यक्रम को लेकर सभी आवश्यक तैयारियां युद्धस्तर पर जारी हैं और प्रत्येक विभाग को अपनी जिम्मेदारियां समय से पूरी करने के निर्देश दिए गए हैं।मुख्यमंत्री के आगमन की सूचना से क्षेत्र के लोगों में उत्साह का माहौल है। स्थानीय नागरिकों का मानना है कि मुख्यमंत्री के दौरे से जिले के विकास को नई गति मिलेगी और क्षेत्र की विभिन्न योजनाओं को भी बढ़ावा मिलेगा। प्रशासन कार्यक्रम को सफल एवं व्यवस्थित बनाने के लिए लगातार तैयारियों में जुटा हुआ है।

भव्य पंडाल निर्माण का कार्य शुरू करा दिया गया है। मंच, बैरिकेडिंग, पेयजल, विद्युत व्यवस्था, पार्किंग, वीआईपी मार्ग, जनसभा स्थल तथा आमजन की सुविधाओं सहित सभी व्यवस्थाओं को समयबद्ध तरीके से पूरा करने के निर्देश संबंधित विभागों को दिए गए हैं।सुरक्षा व्यवस्था को लेकर भी प्रशासन पूरी तरह सतर्क है। पुलिस एवं प्रशासनिक अधिकारी लगातार कार्यक्रम स्थल का निरीक्षण कर सुरक्षा के प्रत्येक बिंदु की समीक्षा कर रहे हैं।

आईजीआरएस शिकायतों के समयबद्ध व गुणवत्तापूर्ण निस्तारण पर एएसपी ने की समीक्षा, लापरवाही पर कार्रवाई की चेतावनी

दैनिक बुद्ध का संदेश

श्रावस्ती।पुलिस अधीक्षक राहुल भाटी के निर्देशन में रविवार को पुलिस अधीक्षक कार्यालय सभागार में अपर पुलिस अधीक्षक चन्द्रकेश सिंह की अध्यक्षता में आईजीआरएस पोर्टल पर प्राप्त जनशिकायतों के गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध निस्तारण को लेकर समीक्षा गोष्ठी आयोजित की गई। बैठक में आईजीआरएस पोर्टल पर लंबित एवं निस्तारित प्रकरणों की विस्तृत समीक्षा की गई। अपर पुलिस अधीक्षक ने सभी थाना प्रभारियों, विवेचकों एवं संबंधित कर्मचारियों को निर्देशित किया कि प्रत्येक शिकायत की निष्पक्ष, तथ्यपरक एवं संवेदनशीलता के साथ जांच कर निर्धारित समय–सीमा के भीतर

उसका निस्तारण सुनिश्चित किया जाए।उन्होंने कहा कि शिकायतकर्ता से संवाद स्थापित कर उसकी समस्या का वास्तविक एवं संतोषजनक समाधान किया जाए। बिना स्थलीय जांच अथवा पर्याप्त तथ्यों के कोई भी आख्या प्रेषित न की जाए, ताकि शिकायतों के पुनः संदर्भित होने की स्थिति उत्पन्न न हो।एएसपी ने कहा कि आईजीआरएस शासन की महत्वपूर्ण जनशिकायत निस्तारण प्रणाली है, इसलिए सभी अधिकारी पूरी पारदर्शिता, जवाबदेही एवं गुणवत्ता के साथ कार्य करें। शिकायतों के निस्तारण में लापरवाही, अनावश्यक विलंब, तथ्यहीन आख्या या औपचारिकता बरतने वाले अधिकारियों एवं कर्मचारियों के विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी।गोष्ठी के अंत में शिकायतकर्ताओं की संतुष्टि एवं जनविश्वास को और मजबूत बनाने के उद्देश्य से आवश्यक दिशा–निर्देश दिए गए। बैठक में क्षेत्राधिकारी नगर आलोक कुमार सिंह, जनपद के सभी थाना प्रभारी, आईजीआरएस से संबंधित कर्मचारी, कंप्यूटर ऑपरेटर एवं अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

पुलिस–एसओजी की मुठभेड़ में 3 शातिर चोर गिरतार, 2 घायल,चोरी के जेवर,तमंचे और बाइक बरामद

दैनिक बुद्ध का संदेश

गोन्डा। जनपद के करनैलगंज क्षेत्र में अपराध पर नकेल कसने के लिए चलाए जा रहे अभियान में पुलिस–एसओजी टीम को बड़ी सफलता हाथ लगी है। शनिवार देर रात बालपुर चौकी क्षेत्र के पंडित पुरवा मोड़ के पास पुलिस और शातिर बदमाशों के बीच मुठभेड़ हो गई। जवाबी कार्रवाई में पुलिस ने 3 शातिर बदमाशों को गिरतार कर लिया। मुठभेड़ में 2 बदमाश घायल हो गए।पुलिस के अनुसार, मुठभेड़ शनिवार रात करीब 9रू30 बजे हुई। कर्नलगंज, परसपुर और खरगूपुर थाने की संयुक्त टीम तथा एसओजी बदमाशों की तलाश में थी।संदिग्धों को रोकने का प्रयास किया गया तो उन्होंने पुलिस पर फायरिंग शुरू कर दी।आत्मरक्षा में पुलिस ने भी जवाबी फायरिंग की। इसी दौरान दो

बदमाश गोली लगने से घायल हो गए, जबकि तीसरे को घेराबंदी कर दबोच लिया गया।बदमाशों के कब्जे से चोरी के सोने–चांदी के आभूषण, चोरी में प्रयुक्त औजार, 2 मोटरसाइकिल और 3 अवैध तमंचे बरामद हुए हैं।पूछताछ में खुलासा हुआ कि इन शातिरों ने 5 दिन पहले कर्नलगंज के चौरी चौराहा के पास दो ज्वेलर्स की दुकानों के शटर काटकर लाखों के आभूषण चोरी किए थे। पूरी वारदात सीसीटीवी में कैद हुई थी। बदमाशों ने कैमरे का रुख मोड़ दिया था, लेकिन उनकी हरकतें फुटेज में रिकॉर्ड हो गई थीं। इसके अलावा ये खरगूपुर और परसपुर क्षेत्र में हुई कई अन्य चोरियों में भी शामिल है।मुठभेड़ में चुनमुन चौहान उर्फ विशाल के दाहिने पैर और शिवकुमार के बाएं पैर में गोली लगी। दोनों को मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया है। तीसरे आरोपी रोशन लाल को भागते समय गिरतार किया गया।पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार तीनों शातिर अपराधी हैं। जिसमें शिवकुमार निवासी सीताराम नगर, बहराइच पर 20 मुकदमे, चुनमुन चौहान उर्फ विशाल निवासी मल्लू सिंह पर 27 मुकदमे और रोशन लाल निवासी दीवानपुरवा पर 46 मुकदमे दर्ज हैं।पुलिस अधीक्षक विनीत जायसवाल ने बताया कि एसओजी और तीन थानों की टीम लगातार निगरानी कर रही थी। सटीक सूचना पर कार्रवाई कर तीनों को गिरतार किया गया। बरामद जेवरों की पहचान और अन्य चोरी के खुलासे के लिए पूछताछ जारी है।

बारिश ने खोली पयागपुर नगर पंचायत के विकास की पोल, सड़कें बनीं तालाब

दैनिक बुद्ध का संदेश

बहराइच। पयागपुर थोड़ी सी बारिश ने पयागपुर नगर पंचायत में विकास कार्यों की वास्तविक स्थिति उजागर कर दी। कई स्थानों पर नालियों का गंदा पानी सड़कों पर भर गया, जिससे जलभराव की स्थिति बन गई और लोगों को आवागमन में भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ा।स्थानीय लोगों का आरोप है कि नालियों की नियमित सफाई न होने के कारण बारिश का पानी निकासी नहीं पा रहा है। इससे सड़कों पर गंदा पानी फैल गया है, जिससे राहगीरों, स्कूली बच्चों, दुकानदारों और वाहन चालकों को परेशानी झेलनी पड़ रही है।लोगों का कहना है कि नगर पंचायत को बारिश से पहले नालियों की सफाई और जल निकासी की समुचित व्यवस्था करनी चाहिए थी, ताकि ऐसी स्थिति उत्पन्न न होती।स्थानीय नागरिकों ने नगर पंचायत प्रशासन से जलभराव की समस्या का शीघ्र समाधान कराने और नियमित सफाई व्यवस्था सुनिश्चित करने की मांग की है।

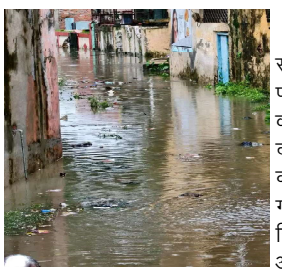

इकौना नगर पंचायत में नाला विवाद ने पकड़ा तूल, अध्यक्षा पति नसीम चौधरी समेत कई पर मुकदमा दर्ज

दैनिक बुद्ध का संदेश

श्रावस्ती। जिले की इकौना नगर पंचायत में नाला विवाद को लेकर बड़ा विवाद सामने आया है। व्यापार मंडल अध्यक्ष कन्हैया कसौधन की शिकायत पर पुलिस ने नगर पंचायत अध्यक्ष गजाला चौधरी के पति एवं कांग्रेस के पूर्व जिला अध्यक्ष नसीम चौधरी समेत कई लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है।शिकायत में आरोप लगाया गया है कि विवाद के दौरान गाली–गलौज, अभद्रता और जान से मारने की धमकी दी गई। पुलिस ने तहरीर के आधार पर संबंधित धाराओं में एफआईआर दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।इस घटना के बाद इकौना नगर पंचायत की राजनीति और स्थानीय माहौल में हलचल मच गई है। पुलिस का कहना है कि मामले की निष्पक्ष जांच की जा रही है तथा जांच के आधार पर आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी। नगर पंचायत में नाला विवाद अब कानूनी लड़ाई में बदल गया है। अध्यक्षा के पति नसीम चौधरी समेत कई लोगों पर एफआईआर दर्ज होने के बाद पूरे इलाके में चर्चाओं का दौर तेज हो गया है। फिलहाल पुलिस पूरे मामले की जांच में जुटी हुई है।

भारत बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में दर्ज हुआ इंटरनेशनल जादूगर मिस्टर इंडिया का नाम, गोंडा का बढ़ा मान

दैनिक बुद्ध का संदेश

गोन्डा। जनपद के निवासी और जादू के क्षेत्र में मानें जाने वाली हस्ती के रूप में कार्य कर रहे हैं,ऐसे नामचीन जादूगर के लिए गर्व का क्षण तब आया जब अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त जादूगर मिस्टर इंडिया का नाम भारत बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में दर्ज होने पर जिले की प्रतिष्ठा राष्ट्रीय स्तर पर और मजबूत हुई।इस उपलब्धि ने यह साबित कर दिया कि गोंडा की प्रतिभाएं देश ही नहीं, बल्कि विश्व स्तर पर भी अपनी अलग पहचान बना रही हैं।जादूगर मिस्टर इंडिया वर्षों से अपनी अद्भुत जादुई कला के माध्यम से भारत सहित अनेक देशों में हजारों सफल प्रस्तुतियां दे चुके हैं।मनोरंजन के साथ–साथ वे सामाजिक जागरूकता,महिला सशक्तिकरण, बेटी बचाओ–बेटी पढ़ाओ, नशा मुक्ति, दहेज उन्मूलन और राष्ट्रीय एकता जैसे विषयों पर भी अपने जादुई कार्यक्रमों के माध्यम से लोगों को प्रेरित करते रहे हैं।उनकी सामाजिक और सांस्कृतिक सेवाओं के लिए उन्हें पहले भी कई राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय सम्मान प्राप्त हो चुके हैं।भारत बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में नाम दर्ज होने की उपलब्धि से गोंडा जिले में खुशी की लहर है। क्षेत्र के लोगों, कला प्रेमियों और शुभचिंतकों ने उन्हें बधाई देते हुए कहा कि यह उपलब्धि पूरे जिले के लिए गौरव का विषय है।

जादूगर मिस्टर इंडिया ने अपनी सफलता का श्रेय अपने माता–पिता, गुरुजनों, दर्शकों और शुभचिंतकों को देते हुए कहा कि उनका उद्देश्य अपनी कला के माध्यम से देश का नाम रोशन करना और समाज को सकारात्मक संदेश देना है।शोंडा का दबदबा कायम है, और जादूगर मिस्टर इंडिया की यह ऐतिहासिक उपलब्धि आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा बनेगी।

नेपाल के तीन नागरिकों पर दोहरी नागरिकता का आरोप, फर्जी दस्तावेजों के आधार पर बहराइच में दर्ज हुआ मुकदमा

दैनिक बुद्ध का संदेश

बहराइच। बहराइच जिले के रूपईडीहा थाना क्षेत्र से दोहरी नागरिकता का एक गंभीर मामला सामने आया है। आरोप है कि नेपाल के बांके जिले के तीन निवासियों ने कथित तौर पर कूटरचित (फर्जी) दस्तावेज तैयार कराकर बहराइच के रूपईडीहा थाना क्षेत्र के ग्राम जमुनहा का निवासी होने के दस्तावेज भी बनवा लिए।मामले की जानकारी मिलने पर पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर रूपईडीहा थाने में तीनों आरोपियों के विरुद्ध संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। पूरे प्रकरण की जांच पुलिस क्षेत्राधिकारी (सीओ) नानपारा को सौंपी गई है। इस कार्रवाई के बाद क्षेत्र में हड़कंप मच गया है। पुलिस अब दस्तावेजों की सत्यता, नागरिकता से जुड़े रिकॉर्ड और अन्य पहलुओं की गहन जांच कर रही है। जांच के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

टोरंटो की तर्ज पर रॉबर्ट्सगंज पुल के नीचे विकसित की जाएंगी नगरीय सुविधाएं

सोनभद्र को स्मार्ट सिटी बनाने के लिए जिलाधिकारी चर्चित गौड़ की अनूठी पहल

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। शहरों को साफ–स्वच्छ एवं सुंदर बनाने की प्रदेश सरकार की मंशा के अनुरूप सोनभद्र जिला प्रशासन ने एक अनूठी पहल की है। जिला प्रशासन ने सोनांचल नगरी को और भव्य बनाने के लिए कनाडा के सबसे बड़े शहर टोरंटो में लाई ओवर के नीचे बने विश्व प्रसिद्ध अंडरपास पार्क की तर्ज पर रॉबर्ट्सगंज लाई ओवर के नीचे भी नगरीय सुविधाएं विकसित करने का निर्णय लिया है। यहां बच्चों के लिए झूले, खेलने का स्थान, फूड कोर्ट व ग्रीन जोन विकसित करने के साथ ही मनमोहक वॉल पेंटिंग से सजावट की जाएगी। इन सभी कार्यों को पूर्ण करने में लगभग चार करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे।जिलाधिकारी चर्चित गौड़ ने बताया कि सोनभद्र को स्मार्ट सिटी बनाने के लिए तेजी से विकास कार्य किए जा रहे हैं। इसी कड़ी में रॉबर्ट्सगंज लाई ओवर के नीचे के स्थान को संवारने का निर्णय लिया गया है। उन्होंने बताया कि लाई ओवर के नीचे लगभग 1 किलोमीटर में नगरीय सुविधाओं को विकसित किया जाएगा। इन सुविधाओं को तीन जोन में बांटा गया है। स्पोर्ट्स जोन में बच्चों के खेलने के लिए अत्याधुनिक झूले लगाएं जाएंगे, बैडमिंटन कोर्ट, बॉस्केट बॉल कोर्ट व क्रिकेट नेट का निर्माण कराया जाएगा। इसके साथ ही एक ओपेन जिम की स्थापना भी की जाएगी जहां नगरवासी शारीरिक व्यायाम कर खुद को स्वस्थ्य रख सकेंगे। जिलाधिकारी ने बताया कि लाई ओवर के नीचे फूड जोन भी विकसित किया जाएगा, जहां पर नगरवासी लजीज व्यंजनों का स्वाद चख सकेंगे। इसके अलावा एक ग्रीन जोन भी विकसित किया जाएगा। ग्रीन जोन में सजावटी पौधे लगाए जाने के साथ ही आमजन को 'ट्रिपल आर' (रिड्यूस, रियूज और रिसाइकल) के प्रति जागरुक करने के उद्देश्य से प्रदूषण का कारक बनने वाले प्लास्टिक, रबर इत्यादि का इस्तेमाल कर बनाए गए मनमोहक स्कल्प्चर लगाए जाएंगे। इतना ही नहीं, पुल के नीचे के स्थान को आकर्षण का केंद्र बनाने के लिए सुंदर वाल पेंटिंग भी कराई जाएगी और नगर वासियों के बैठने के लिए आरामदायक और सुंदर स्थान भी विकसित किया जाएगा। उन्होंने बताया कि यातायात किसी भी तरह से बाधित न होने पाए इसके लिए लाई ओवर के नीचे ही समुचित स्थान पर पार्किंग की व्यवस्था भी की जाएगी। बताया कि लाई ओवर के नीचे विकसित होने वाले स्पोर्ट्स, फूड और ग्रीन जोन को रंग–बिरंगी लाइटों से भी सजाया जाएगा ताकि यह स्थान नगरवासियों के आकर्षण का केंद्र बने। जिलाधिकारी ने बताया कि समस्त कार्य नॉर्दर्न कोल फील्ड्स लिमिटेड (एनसीएल) के सीएसआर मद के तहत कराए जाएंगे। विकसित की जाने वाली सभी सुविधाओं की कार्ययोजना तैयार कर ली गई है, जल्द ही निर्माण कार्य शुरू कराया जाएगा।

पुलिस ने जलाकर नष्ट किया 12 लाख से अधिक कीमत का गांजा

प्रयागराज। पुलिस ने ष्ऑपरेशन दहनष अभियान के तहत कार्रवाई करते हुए 24.450 किलोग्राम अवैध गांजा को विधिक प्रक्रिया पूरी करने के बाद अग्नि में जलाकर नष्ट कर दिया। पुलिस के अनुसार अंतरराष्ट्रीय बाजार में इसकी अनुमानित कीमत 12 लाख 22 हजार 500 रुपये है। आज उच्च स्तरीय समिति की निगरानी और कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच वायु प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड से मान्यता प्राप्त स्थान पर करीब तीन घंटे की प्रक्रिया के बाद पूरे मादक पदार्थ का विनष्टीकरण किया गया। यह गांजा पूर्व में थाना बहरिया पुलिस द्वारा मादक पदार्थ तस्करों के खिलाफ कार्रवाई के दौरान बरामद किया गया था। एफएसएल जांच में गांजा होने की पुष्टि के बाद न्यायालय के आदेश, डीजीपी और आईजी एनटीएफ की अनुमति प्राप्त कर एनडीपीएस अधिनियम की धारा 52। के तहत इसका निस्तारण किया गया। इस दौरान पुलिस उपायुक्त मुख्यालय, अपर पुलिस उपायुक्त अपराध, सहायक पुलिस आयुक्त फूलपुर, नारकोटिक्स टास्क फोर्स प्रभारी उपनिरीक्षक सुरेश गिरि, थाना बहरिया प्रभारी मानवेन्द्र कुमार सिंह सहित कई अधिकारी और पुलिसकर्मी मौजूद रहे।

बाइक की टक्कर से युवक घायल

प्रयागराज। झूंसी थाना क्षेत्र में अंदावा चौराहे के पास रविवार को एक तेज रफ्तार बाइक की टक्कर से पैदल जा रहा युवक घायल हो गया। हादसे के बाद मौके पर अफरा– तफरी मच गई और आसपास के लोग घटनास्थल पर जमा हो गए। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, बाइक तेज गति से आ रही थी, जिसने सड़क पर पैदल चल रहे युवक को टक्कर मार दी। टक्कर लगने से युवक सड़क पर गिरकर घायल हो गया। स्थानीय लोगों ने तत्काल घायल युवक की मदद की और उसे प्राथमिक उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया। हादसे के बाद बाइक चालक मौके से भागने का प्रयास कर रहा था, लेकिन सतर्क स्थानीय लोगों ने उसे पकड़ लिया।

डेरा डालो, घेरा डालोश किसान महापंचायत 21 को– अनुज सिंह

प्रयागराज। भारतीय किसान यूनियन (भाकियू) की ओर से किसानों की विभिन्न समस्याओं को लेकर 21 जुलाई को सिविल लाइंस स्थित पत्थर गिरजाघर में श्डेरा डालो, घेरा डालो किसान सम्मान महापंचायतश का आयोजन किया जाएगा। महापंचायत सुबह 10:30 बजे शुरू होगी, जिसमें बड़ी संख्या में किसान, मजदूर, युवा और मातृशक्ति के शामिल होने का दावा किया गया है। भाकियू के युवा प्रदेश अध्यक्ष अनुज सिंह ने बताया कि महापंचायत में भारत– अमेरिका ट्रेड डील रद्द करने, किसानों को समय पर पर्याप्त उर्वरक उपलब्ध कराने, बिजली के निजीकरण पर रोक लगाने और ग्रामीण क्षेत्रों में निर्बाध बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने की मांग उठाई जाएगी। इसके अलावा गलत बिल देने वाले स्मार्ट मीटर हटाकर मैन्युअल मीटर लगाने, प्राथमिक विद्यालयों के विलय पर रोक लगाने, जर्जर विद्यालय भवनों का निर्माण कराने तथा आवारा पशुओं से फसलों की सुरक्षा के लिए प्रभावी व्यवस्था करने की मांग भी प्रमुखता से रखी जाएगी। महापंचायत में किसानों की सहमति के बिना भूमि अधिग्रहण नहीं किए जाने, प्रभावित किसानों को न्याय दिलाने, बारा पावर प्लांट से प्रभावित किसानों से किए गए वादे पूरे कराने सहित किसानों से जुड़े अन्य महत्वपूर्ण मुद्दों पर भी चर्चा कर आगे की रणनीति तय की जाएगी।

जमीन के विवाद में बुजुर्ग को चाकू मारकर किया घायल

इलाज के दौरान हुई मौत, रंजिश में हत्या करने का आरोप

प्रयागराज। मेजा थाना क्षेत्र के भटौती मदरहा गांव में जमीन विवाद में एक बुजुर्ग की चाकू मारकर गंभीर रूप से घायल कर दिया गया। शनिवार रात उन पर चाकू से हमला किया गया था। रविवार दोपहर करीब 1 बजे वह घायल मिले। परिजनों ने उन्हें गंभीर हालत में अस्पताल पहुंचाया गया। यहां इलाज के दौरान रविवार शाम 4 बजे उनकी मौत हो गई।

परिजनों ने आरोप लगाया है कि आबादी की जमीन के विवाद में पड़ोसियों ने चाकू से हमला कर उनकी हत्या की है। पुलिस ने परिजनों की तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है।

प्राप्त जानकारी के लिए मूल रूप से भसुंदर के रहने वाले सूर्य बली (60) मेजा थाना क्षेत्र के भटौती मदरहा गांव में रहते थे। परिजनों ने बताया कि शनिवार रात अज्ञात लोगों ने सूर्य बली पर चाकू से कई बार हमला किया था। रविवार दोपहर ग्रामीणों ने उन्हें खेत में खून से लथपथ पड़े देखा। इसके बाद परिजनों को सूचना दी। परिजनों ने घायल को तत्काल उपचार के लिए जिला अस्पताल भेजा। रविवार शाम करीब 4 बजे इलाज के दौरान सूर्य बली ने दम तोड़ दिया। मौत की खबर मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया। पत्नी प्रेमा देवी और बेटे चिंतामणि और रामचंद्र गुप्ता का रो–रोकर बुरा हाल है। बड़े बेटे चिंता मणि ने आरोप लगाया है कि आबादी की भूमि को लेकर पड़ोसियों से कई दिनों से विवाद चल रहा था। उनका कहना है कि मृतक ने वर्षों पूर्व 18 विश्वा जमीन खरीदी थी, जिसके सटी हुई आबादी को विपक्षी हड़पना चाहते थे। आशंका है कि इसी रंजिश में हत्या की गई है।

मेजा थाना प्रभारी नितेंद्र कुमार शुक्ला ने बताया कि मृतक के बेटे रामचंद्र गुप्ता की तहरीर के आधार पर एफआईआर दर्ज की जा रही है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। पुलिस आसपास के लोगों से पूछताछ कर रही है और सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर साक्ष्य जुटाए जा रहे हैं। जांच के आधार पर आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी।

जोगिया चौराहे पर 11 हजार वोल्ट की हाईटेंशन लाइन बनी खतरा, सूचना मिलते ही मौके पर पहुंचे भाजपा नेता रवि जायसवाल

दैनिक बुद्ध का संदेश।

सिद्धार्थनगर। जोगिया विकास खंड अंतर्गत जोगिया चौराहे के समीप नादेपार रोड पास सड़क किनारे लगे

ट्रांसफॉर्मर की 11 हजार वोल्ट की हाईटेंशन लाइन के तार जलकर आपस में सट जाने से गंभीर खतरे की स्थिति उत्पन्न हो गई। व्यस्त चौराहा और लगातार लोगों की आवाजाही होने के कारण यह खराबी किसी बड़े हादसे का कारण बन सकती थी। मामले की सूचना मिलते ही भाजपा नेता एवं समाजसेवी रवि जायसवाल तत्काल मौके पर पहुंचे और विद्युत लाइन की स्थिति का जायजा लिया। खतरे की गंभीरता को देखते हुए उन्होंने नगरा फीडर के इंद्र मोहन त्रिपाठी जेई से फोन पर वार्ता कर तत्काल विद्युत कर्मचारियों को मौके पर भेजने और लाइन को सुरक्षित तरीके से दुरुस्त कराने की मांग की।रवि जायसवाल ने विद्युत विभाग के अधिकारियों को बताया कि मामला 11 हजार वोल्ट की हाईटेंशन लाइन से जुड़ा है। ऐसे में थोड़ी–सी लापरवाही भी राहगीरों और आसपास के लोगों के लिए जानलेवा साबित हो सकती है। उन्होंने जनहित में समस्या का तत्काल समाधान कराने पर जोर दिया। मामले को गंभीरता से लेते हुए संबंधित वही इंद्र मोहन त्रिपाठी जेई से फोन पर वार्ता कर तत्काल विद्युत लाइन दुरुस्त कराने की उठाई मांग, बड़ा हादसा टालने के लिए विभाग को किया सतर्क'

इंद्र मोहन त्रिपाठी जेई से तत्काल वार्ता कर विद्युत लाइन दुरुस्त कराने की उठाई मांग, बड़ा हादसा टालने के लिए विभाग को किया सतर्क'

त्रिपाठी जेई ने कर्मचारियों को मौके पर भेजकर खराबी की जांच कराने तथा आवश्यक सुधार कार्य तत्काल कराने का आश्वासन दिया।इस दौरान मौके पर विक्की साहनी , तौफिक खान, संजय कुमार सहित कई स्थानीय लोग मौजूद रहे। स्थानीय लोगों ने विद्युत विभाग से मांग की कि चौराहों और आबादी वाले क्षेत्रों में लगे ट्रांसफॉर्मर तथा हाईटेंशन विद्युत लाइनों की नियमित जांच और निगरानी कराई जाए, ताकि ऐसी खतरनाक स्थिति दोबारा उत्पन्न न हो और समय रहते संभावित हादसों को रोका जा सके।

नाबालिग से दुष्कर्म के आरोपी को नाका पुलिस ने किया गिरफ्तार, चारबाग बस अड्डे के बाहर से दबोचा

लखनऊ, (आरएनएस) थाना नाका पुलिस ने नाबालिग किशोरी से दुष्कर्म के मामले में वांछित आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया है। आरोपी को चारबाग बस अड्डे के बाहर मुखबिर की सूचना पर गिरफ्तार किया गया।पुलिस के अनुसार पीड़िता के परिजन की तहरीर पर थाना नाका हिंडोला में मुकदमा संख्या 124ध्2026, धारा 64(1) भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) तथा 3ध्4 पॉक्सो एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया था। शिकायत में आरोप लगाया गया था कि आरोपी ने 17 वर्षीय किशोरी के साथ दुष्कर्म किया।मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस उपायुक्त पश्चिमी के निर्देशन में आरोपी की गिरफ्तारी के लिए टीम गठित की गई। थाना नाका पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर रविवार को चारबाग बस अड्डे के बाहर टिन शेड की बाउंड्री के पास से आरोपी को गिरफ्तार कर लिया।गिरफ्तार आरोपी की पहचान 18 वर्षीय हेमंत कुमार, निवासी मोहल्ला अहिया, रायपुर कुरियाना, जनपद रायबरेली के रूप में हुई है।

नीट परीक्षा में सफलता हासिल करने पर किया स्वागत

परिजनों, ग्रामीणों एवं शुभचिंतकों ने फूलमाला से किया सम्मानित

सिन्दुरिया, महराजगंज। कठिन परिश्रम और लगन से राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट) में विकास खण्ड मिठौरा क्षेत्र के ग्रामसभा सिन्दुरिया निवासी सूरज मद्धेशिया पुत्र भरत मद्देशिया ने नीट – 2026 में 594 अंक और 12025 वी रैंक हासिल कर डाक्टर बनने के सपने को साकार किया है। रविवार को कोटा से अपने घर वापस आने पर परिजनों समेत चौराहे के गणमान्य लोगों ने सूरज मद्धेशिया का सिन्दुरिया में महराजगंज मार्ग पर स्थित पेट्रोल टंकी के समीप से ढोल नगारे के साथ जोरदार स्वागत

किया। साथ ही फूल माला पहनाकर मिठाई खिलाते हुए बधाई दिये। इस दौरान मिठौरा ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि रामहरख गुप्त ने कहा कि सूरज मद्धेशिया की सफलता पूरे क्षेत्र के लिए गर्व की बात है। उन्होंने कहा कि नीट जैसी कठिन प्रतियोगी परीक्षा में सफलता प्राप्त करना आसान नहीं होता है । यह उपलब्धि अन्य विद्यार्थियों के लिए भी प्रेरणास्रोत है। स्वागत समारोह के दौरान सूरज मद्धेशिया को फूल–मालाएं पहनाकर सम्मानित किया गया। सूरज मद्धेशिया ने अपनी सफलता का श्रेय अपने माता–पिता, गुरुजनों तथा नियमित अध्ययन को दिया। साथ ही कहा कि लक्ष्य के प्रति समर्पण और निरंतर मेहनत से हर कठिन परीक्षा में सफलता प्राप्त की जा सकती है।

इस अवसर पर गोपीचंद मद्धेशिया, भरत मद्धेशिया, गांधी मद्धेशिया, सुधीर मद्धेशिया, डा. सुधीर शर्मा, केशव यादव, सोनू जायसवाल, पंकज शर्मा, अंकुर, आशुतोष कुमार गुप्त, अरविंद, अनिल चौबे, संजय गुप्त, विनय खरवार, मनोज कुमार गुप्ता, गोविंद जायसवाल, सचिन पटेल एवं कपिल वर्मा समेत दर्जनों संख्या में परिजन, ग्रामीण एवं शुभचिंतक मौजूद रहे।

गोवध निवारण अधिनियम के अभियोग में वांछित अभियुक्त पश्चिम बंगाल से गिरफ्तार'

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र।पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा' के निर्देशन में अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान तथा वांछित/पुरस्कार घोषित अपराधियों की गिरतारी अभियान के क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक (ऑपरेशन) ' ऋषभ रुणवाल' एवं क्षेत्राधिकारी सदर ' सुधीर कुमार सिंह' के कुशल पर्यवेक्षण में थाना रायपुर पुलिस को महत्वपूर्ण सफलता प्राप्त हुई है।थाना रायपुर पर पंजी.त 'मु0अ0सं0–163/2025, धारा 109, 61(2) बीएनएस, 3/25 आर्म्स एक्ट एवं 3/5ए/5बी/8 गोवध निवारण अधिनियम' से संबंधित वांछित अभियुक्त राजा कुरैशी उर्फ हासिन कुरैशी को मोबाइल एवं इलेक्ट्रॉनिक/सर्विलांस साक्ष्यों के आधार पर अभियुक्त की लोकेशन पश्चिम बंगाल में प्राप्त होने पर थाना रायपुर पुलिस, थाना रामपुर बरकोनिया, थाना माँची एवं एसओजी की संयुक्त टीम गठित की गई। संयुक्त पुलिस टीम द्वारा पश्चिम बंगाल पहुंचकर सफल कार्रवाई करते हुए अभियुक्त को 17.07.2026 को समय 11रू05 बजे थाना पण्डुआ, जनपद हुगली (पश्चिम बंगाल) क्षेत्रान्तर्गत जोईपुर रेलवे क्रासिंग के पास से गिरतार किया गया। अभियुक्त को विधिक प्रक्रिया के तहत 'ट्रांजिट रिमांड पर जनपद सोनभद्र' लाया गया तथा आज दिनांक 19.07.2026 को आवश्यक विधिक कार्रवाई पूर्ण करते हुए न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया गया।

इनामिया एवं कई थानों में वांछित शातिर अपराधी गिरफ्तार'

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा' के निर्देशन में वांछित एवं पुरस्कार घोषित अपराधियों की गिरतारी हेतु चलाए जा रहे विशेष अभियान के क्रम में तथा अपर पुलिस अधीक्षक (ऑपरेशन) ' ऋषभ रुणवाल' एवं क्षेत्राधिकारी घोरावल ' राजेश कुमार राय' के कुशल पर्यवेक्षण में प्रभारी निरीक्षक ' बृजेश कुमार सिंह' के नेतृत्व में थाना घोरावल पुलिस को महत्वपूर्ण सफलता प्राप्त हुई है। थाना घोरावल पुलिस द्वारा घ25,000 के पुरस्कार घोषित एवं जनपद सोनभद्र व अन्य जनपद के विभिन्न थानों में वांछित शातिर अपराधी 'राजेश सोनकर' को गिरतार किया गया है। अभियुक्त थाना शाहगंज पर पंजी.त मु0अ0सं0–01/2026, धारा 3(1) उत्तर प्रदेश गैंगस्टर एक्ट में वांछित था, जिसकी गिरतारी हेतु माननीय न्यायालय द्वारा वारंट जारी किया गया था तथा उस पर घ25,000 का पुरस्कार भी घोषित था।वांछित अभियुक्त की गिरतारी हेतु थाना घोरावल पुलिस द्वारा लगातार निगरानी, मुखबिर तंत्र एवं तकनीकी/सर्विलांस साक्ष्यों के आधार पर विभिन्न स्थानों पर दबिश दी जा रही थी। इसी क्रम में 18.07.2026 को प्राप्त सटीक सूचना के आधार पर पुलिस टीम द्वारा 'शेरवानी लेगेसी, विनायक सेंट्रल पार्क, जनपद प्रयागराज' से समय लगभग 19रू30 बजे अभियुक्त को गिरतार कर लिया गया।पूछताछ एवं अभिलेखों के अवलोकन से ज्ञात हुआ कि गिरतार अभियुक्त एक शातिर एवं अभ्यस्त अपराधी है, जो सोनभद्र, प्रयागराज एवं कौशाम्बी जनपदों के विभिन्न थानों में पंजी.त गैंगस्टर एक्ट, एनडीपीएस एक्ट एवं भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) के गंभीर अभियोगों में वांछित चल रहा था। अभियुक्त गिरतारी से बचने के लिए लगातार अपने ठिकाने बदल रहा था।गिरतार अभियुक्त के विरुद्ध नियमानुसार आवश्यक वैधानिक कार्रवाई करते हुए न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया जा रहा है।

भाई ने भाई को मारपीट कर किया लहुलुहान मुकदमा दर्ज़ कर कार्रवाई में जुटी पुलिस

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र।बीजपुर थाना क्षेत्र के ग्राम सभा अंजानी में किसी बात को लेकर सगे भाइयों में शनिवार को गाली गलौज, मारपीट हो गई। वादी दीपक कुमार सिंह की तहरीर पर आरोपी भाई नीरज सिंह के विरुद्ध पुलिस ने विभिन्न मानले में मुकदमा दर्ज़ कर कार्रवाई में जुट गई।प्रभारी थानाध्यक्ष राजेश कुमार सिंह ने बताया कि शनिवार को नीरज सिंह पुत्र कमला सिंह अपने भाई दीपक सिंह पुत्र कमला सिंह निवासी अंजानी निवासी सगे भाई आपस में किसी बात को लेकर गाली गलौज मारपीट कर लिए वादी दीपक कुमार सिंह पुत्र कमला सिंह ने तहरीर देकर अवगत कराया कि मेरा भाई नीरज सिंह अकारण घर पर आकर लाठी डंडे से प्रहार कर लहूलुहान कर दिया। और कहा कि जान से मार दूंगा। वादी कि तहरीर पर बी एन एस की धारा 115, 351,352 के तहत मुकदमा दर्ज़ कर कार्रवाई की गई है।

लाखों रुपए की कीमती मोटर, केबल के साथ दो चोर धराएं

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र।शक्ति नगर पुलिस ने चार मोटर और कॉपर केबल के साथ दो चोरों को गिरतार कर जेल रवाना कर दिया. शक्ति नगर थाना प्रभारी सत्येंद्र राय ने बताया कि राजकिशन कॉलोनी निवासी धानू सरदार पुत्र सोहन सरदार व रंजीत लागोरी पुत्र सीमल लागोरी द्वारा को ट्रैक कों चेंज करने वाले चार मोटर चोरी कर लिए गए थे वहीं कॉपर केबल भी उक्त लोगों के पास से बरामद हुआ है। बताया कि लाखों रुपए कीमती मोटर बरामद होने से पुलिस के साथ एनसीएल अधिकारियों ने भी राहत की सांस ली ह ै।

जानकारी क मुताबिक जीते 6 जुलाई क ो डल अधिकारी एसपी श्रीवास्तव न पुलिस क ो दि ए तहरीर में बताया था कि दुद्धिचुआ से शक्तिनगर के मध्य रेलवे ट्रैक से 5 जुलाई की रात्रि में चोरों द्वारा पांच मोटर चोरी कर ली गई थी।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रकः– श्रीमती पुष्पा शर्मा द्वारा बुद्धा प्रिन्टर्स , ज्योति नगर मधुकरपुर, निकट–हीरो होण्डा एजेन्सी, जनपद–सिद्धार्थनगर (उ0प्र0) 272207 से मुद्रित एवं प्रकाशित। सम्पादक– राजेश कुमार शर्मा
आर.एन.आई. नं.–UPHIN/2012/49458 9415163471, 9453824459 दैनिक बुद्ध का संदेश 9795951917,9415163471 @budhakasandesh budhakasandeshnews@gmail.com www.budhakasandesh.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी.एक्ट. के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन समस्त विवाद जनपद–सिद्धार्थनगर न्यायालय के अधीन ही मान्य होगा।

रोरिंग स्टार श्रीमुरली की धमाकेदार एंट्री, पराक टीजर ने पूरे देश में मचाई हलचल

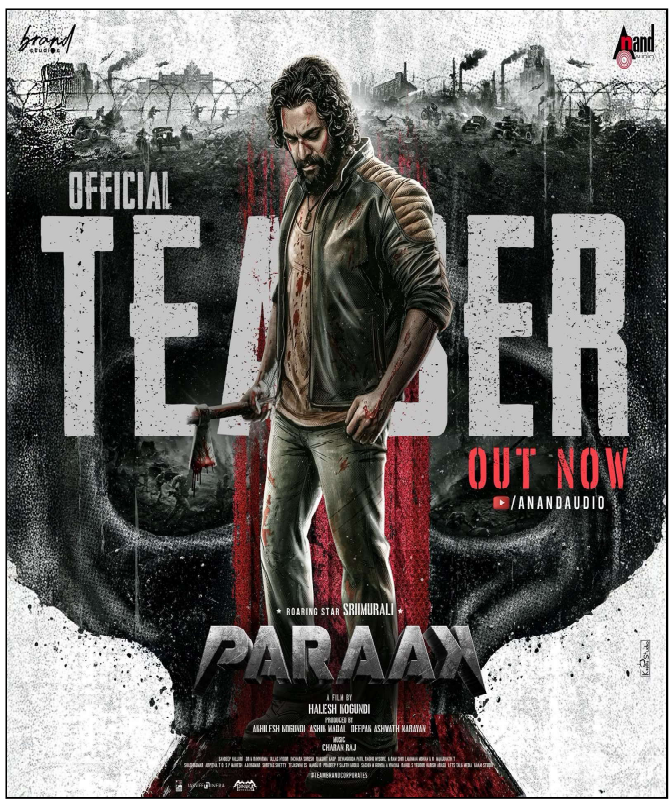

रोरिंग स्टार श्रीमुरली की बहुप्रतीक्षित एक्शन फिल्म पराक का आधिकारिक टीजर रिलीज होते ही पूरे देश में जबरदस्त उत्साह पैदा कर गया। बघीरा के बाद यह उनकी अगली बड़ी फिल्म है, और टीजर ने सोशल मीडिया पर धूम मचा दी है। दर्शक फिल्म के भव्य स्तर, दमदार एक्शन और श्रीमुरली के शानदार बदलाव की जमकर सराहना कर रहे हैं। यह फिल्म पूरे भारत में रिलीज होने वाली है, जिससे श्रीमुरली का दमदार अंदाज हर दर्शक तक पहुंचेगा। दक्षिण भारतीय सिनेमा के प्रमुख सितारों में गिने जाने वाले श्रीमुरली ने अपनी पहचान मेहनत, निरंतरता और प्रभावशाली अभिनय से बनाई है। उनकी सुपरहिट फिल्म उग्रम ने कन्नड़ एक्शन सिनेमा को नई दिशा दी और उन्हें इंडस्ट्री के भरोसेमंद एक्शन हीरो के रूप में स्थापित किया। मुफ्ती, भराटे और बघीरा जैसी फिल्मों के जरिए उन्होंने अपनी बहुमुखी प्रतिभा और समर्पण को बार–बार साबित किया है। पराक के टीजर में श्रीमुरली एक बिल्कुल नए और प्रभावशाली अवतार में नजर आ रहे हैं। दमदार फिटनेस, रफ लुक और गहरी स्क्रीन उपस्थिति के साथ वह पहले से कहीं अधिक सशक्त और आकर्षक दिख रहे हैं। उनका यह शारीरिक परिवर्तन और ऊर्जावान एक्शन दृश्य टीजर की सबसे बड़ी खासियत बन गए हैं, जिसकी दर्शक खुलकर सराहना कर रहे हैं। निर्देशक हलेश कोगुंडी कहते हैं, बचपन से ही मुझे एक्शन फिल्मों का बहुत शौक रहा है। मैड मैक्स जैसी फिल्मों ने मुझे प्रेरित किया कि अगर मैं फिल्म निर्माता बनूं, तो एक्शन फिल्में ही बनाऊं। मेरे लिए एक्शन सिर्फ लड़ाई या दृश्य प्रदर्शन नहीं है, यह कहानी कहने का माध्यम भी है। मैं मानवीय भावनाओं, आंतरिक संघर्षों और अपने अनुभवों को दिखाना चाहता हूं। यह एक पात्र केंद्रित कहानी है, जहां हर एक्शन दृश्य पात्रों के निर्णय और उनकी भावनात्मक यात्रा से स्वाभाविक रूप से जुड़ा है। यह फिल्म एक एक्शन सस्पेंस थ्रिलर है, जिसमें जबरदस्त एक्शन के साथ मजबूत किरदारों की कहानी भी देखने को मिलेगी। टीजर फिल्म की दुनिया की एक झलक पेश करता है, जिसमें शानदार दृश्य, रोमांच से भरपूर एक्शन और दिलचस्प कहानी की झलक मिलती है। हर फ्रेम फिल्म के बड़े स्तर को दर्शाता है, वहीं चरण राज एमआर का प्रभावशाली बैकग्राउंड म्यूजिक टीजर के असर को और बढ़ाता है। हलेश कोगुंडी के निर्देशन में बनी यह फिल्म ब्रांड स्टूडियोज के बैनर तले अखिलेश कोगुंडी, आशिक मदल और दीपक अश्वथ नारायण द्वारा निर्मित है। फिल्म का संगीत चरण राज एमआर ने दिया है, सिनेमैटोग्राफी संदीप वल्लुरी ने की है, जबकि कहानी हलेश कोगुंडी और टीम ब्रांड स्टूडियोज ने मिलकर लिखी है। फिल्म के जबरदस्त एक्शन दृश्यों को प्रसिद्ध स्टंट निर्देशक डॉ. के. रविवर्मा ने तैयार किया है। फिल्म को लेकर उत्साह तब और बढ़ गया जब आनंद ऑडियो ने पराक के ऑडियो अधिकार हासिल किए। इसे हाल के समय में कन्नड़ फिल्मों के सबसे बड़े ऑडियो सौदों में से एक माना जा रहा है, जो फिल्म को लेकर बनी उम्मीदों को दर्शाता है। शानदार प्रस्तुति, दमदार एक्शन, प्रभावशाली दृश्य और श्रीमुरली के नए अवतार के साथ पराक का टीजर डिजिटल प्लेटफॉर्म पर जबरदस्त प्रतिक्रिया हासिल कर चुका है। अब दर्शकों को फिल्म के संगीत, ट्रेलर और सिनेमाघरों में रिलीज का बेसब्री से इंतजार है।

इस हफ्ते ने ऐसा इक्का चलाया कि धमाल ही मच गया: संजीदा शेख

अभिनेत्री संजीदा शेख इन दिनों अपनी फिल्म धमाल–4 और इक्का की रिलीज का लुत्फ उठा रही हैं। अभिनेत्री ने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए बताया कि उन्होंने कभी नहीं सोचा था कि

अलग–अलग समय पर बनी फिल्में एक ही दिन रिलीज हो जाएंगी। अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो पोस्ट किया, जिसमें उन्होंने इस खास पल को अनोखा बताया। अभिनेत्री संजीदा शेख ने शब्दों से खेलते हुए लिखा, इस हफ्ते ने ऐसा इक्का चलाया कि धमाल ही मच गया। क्या शानदार और यादगार हफ्ता रहा। किस्मत भी कभी–कभी बहुत खूबसूरत तरीके से चीजों को जोड़ देती है। अलग–अलग समय पर शूट की गई धमाल 4 और इक्का एक ही दिन रिलीज होंगी, ऐसा मैंने कभी नहीं सोचा था। अभी भी इस एहसास को महसूस कर रही हूं। दर्शकों द्वारा मिले प्यार, खुशी और सम्मान के लिए मेरे पास शब्द नहीं है। मैं अभी इस प्यार को पूरी तरह महसूस करने की कोशिश कर रही हूं। आप सभी के प्यार और हौसला बढ़ाने के लिए दिल से धन्यवाद। आपका प्यार मुझे और बेहतर काम करने की प्रेरणा देता है। शुक्रिया। फिल्म धमाल–4 में संजीदा शेख अहम भूमिका में नजर आ रही हैं। फिल्म में वह अरशद वारसी (आदि) और जावेद जाफरी (मानव) की जोड़ी वाली तीसरी टोली का हिस्सा हैं, जहां वह भाभी (आदि की पत्नी) का किरदार निभा रही हैं। इंद्र कुमार के डायरेक्शन में बनी इस फिल्म में अजय देवगन, रितेश देशमुख, रवि किशन, संजय मिश्रा, उपेंद्र लिमये, अंजलि आनंद और ईशा गुप्ता जैसे कलाकार नजर आ रहे हैं। नेटफ्लिक्स की फिल्म इक्का एक हाई स्टेक्स लीगल थ्रिलर में संजीदा शेख ने गौरी (शौर्यमान की पत्नी) की भूमिका निभाई है। फिल्म में उनके किरदार को कहानी के अनुसार अहम, लेकिन सीमित स्क्रीन स्पेस वाला बताया गया है। धमाल–4 और इक्का दोनों ही फिल्में 10 जुलाई को दुनियाभर में रिलीज हुईं। कॉमेडी ड्रामा थिएटर में आई, जबकि एक्शन थ्रिलर का प्रीमियर ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर हुआ।

मैं जीते जी मरना नहीं चाहता, बंटवारा का दूसरा टीजर रिलीजय अब एक्शन अंदाज में दिखे सनी देओल

सनी देओल, प्रीति जिंटा और शबाना आजमी स्टारर फिल्म बंटवारा 1947 का दूसरा टीजर मेकर्स ने रिलीज कर दिया है। टीजर की शुरुआत कई इमोशनल सीन्स के साथ होती है, जहां आम लोगों के साथ मारपीट, आगजनी और अत्याचार देखने को मिलता है। शुरुआती सीन्स में प्रीति जिंटा, अली फजल और शबाना आजमी के किरदार नजर आते हैं, जो इन अत्याचारों से मायूस दिखाई देते हैं। वहीं, अगले सीन में सनी देओल का दमदार डायलॉग सुनाई देता है, जो इस टीजर के इमोशन ही बदल देता है। सनी कहते हैं– श्डर रहा है इंसान, मर रहा है इंसान, और मैंज्जीते जी मरना नहीं चाहता। मैं जिंदा हूं और जिंदा होने का सबूत दूंगा।य इस डायलॉग के साथ सनी देओल दमदार एक्शन सीन्स करते नजर आते हैं। सनी देओल की यह फिल्म असगर वजाहत के मशहूर नाटक जिस लाहौर नई वेख्या, ओ जम्या ए नई पर बनी है, जो 1947 भारत–पाकिस्तान विभाजन के दर्द की कहानी दिखाती है। फिल्म का संगीत ए.आर. रहमान ने दिया है, जावेद अख्तर ने गाने लिखे हैं। बंटवारा 1947 में सनी देओल ने सिकंदर मिर्जा का किरदार निभाया है। इस फिल्म में सनी के अलावा प्रीति जिंटा, शबाना आजमी, अली फजल, अभिमन्यु सिंह और करण देओल भी नजर आएंगे। बंटवारा 1947 इस साल 14 अगस्त को रिलीज होगी।

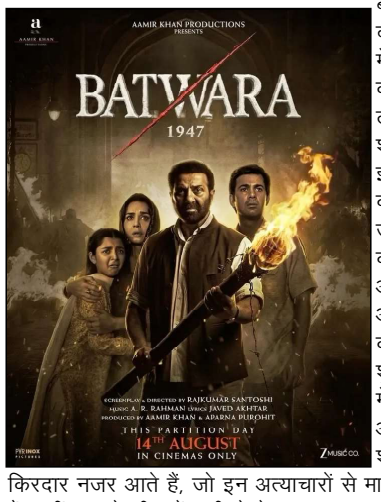

काजल अग्रवाल और श्रेयस तलपड़े अभिनीत द इंडिया स्टोरी का दमदार और झकझोर देने वाला ट्रेलर रिलीज, 24 जुलाई को सिनेमाघरों में होगी रिलीज

द इंडिया स्टोरीः स्लो पॉइजन इन प्रोग्रेस का बहुप्रतीक्षित ट्रेलर रिलीज हो गया है, जो कीटनाशक आधारित खेती और उसके समाज पर पड़ने वाले गंभीर प्रभावों जैसे बेहद अहम मुद्दे को सामने लाता है। काजल अग्रवाल और श्रेयस तलपड़े अभिनीत यह फिल्म एक रोमांचक कहानी के जरिए उन सच्चाइयों को उजागर करती है, जो करोड़ों लोगों की रोजमर्रा की जिंदगी को प्रभावित करती हैं। दमदार ड्रामा, प्रभावशाली अभिनय और सामाजिक संदेश से भरपूर यह ट्रेलर साहस, न्याय और संघर्ष की प्रेरणादायक कहानी की झलक पेश करता है। जी स्टूडियोज और एमआईजी प्रोडक्शन एंड स्टूडियोज द्वारा प्रस्तुत इस फिल्म का निर्देशन चेतन डीके ने किया है, जबकि इसकी कहानी और निर्माण सागर बी. शिंदे ने किया है। द इंडिया स्टोरी 24 जुलाई 2026 को दुनिया भर के सिनेमाघरों में रिलीज होगी। यह फिल्म हिंदी, तेलुगु और तमिल भाषाओं में दर्शकों के सामने आएगी।

फिल्म के निर्देशक चेतन डीके ने ट्रेलर के बारे में कहते हैं, द इंडिया स्टोरी सिर्फ एक फिल्म नहीं, बल्कि एक ऐसी बातचीत की शुरुआत है, जो आज बेहद जरूरी है। इस कहानी के माध्यम से हमने उस समस्या पर रोशनी डालने की कोशिश की है, जो चुपचाप हर घर को प्रभावित कर रही है। ट्रेलर सच्चाई, साहस और संघर्ष की इस ताकतवर यात्रा की एक झलक है। हमें उम्मीद है कि यह दर्शकों को सोचने, सवाल उठाने और अपने आसपास की हकीकत को समझने के लिए प्रेरित करेगा। इसके अलावा काजल अग्रवाल ने फिल्म को लेकर कहा, द इंडिया स्टोरी का हिस्सा बनना मेरे लिए बेहद खास और अर्थपूर्ण अनुभव रहा। मेरा किरदार हर मुश्किल के बावजूद सच का साथ देता है और यही इस फिल्म की सबसे बड़ी ताकत है। मुझे उम्मीद है कि ट्रेलर दर्शकों से जुड़ाव बनाएगा और उन्हें इस कहानी को बड़े पर्दे पर देखने के लिए उत्साहित करेगा। इसी के साथ श्रेयस तलपड़े ने रिलीज हुए इस दमदार ट्रेलर के बारे में कहा, इस ट्रेलर में द इंडिया स्टोरी का भावनात्मक पक्ष पूरी मजबूती से सामने आता है। यह एक आम इंसान की असाधारण चुनौती के खिलाफ उम्मीद और हौसले के साथ लड़ी गई लड़ाई की कहानी है। मुझे विश्वास है कि दर्शक इसकी भावनाओं और संदेश से खुद को जुड़ा हुआ महसूस करेंगे और 24 जुलाई को सिनेमाघरों में इस फिल्म का अनुभव लेने के लिए उत्साहित होंगे। फिल्म के सह–निर्माताओं में स्वाति विनायक सैंदाने, अनीता जाधव, विनायक सैंदाने, कल्पेश शाह, देवयानी खोराटे और प्रेम जोशी शामिल हैं। तकनीकी टीम में सिनेमैटोग्राफर निशांत भागवत, संगीतकार मंगेश धाकड़े, एडिटर आशीष म्हात्रे, गीतकार शकील आजमी और साउंड डिजाइनर अनमोल भावे शामिल हैं।

एरोबिक्स बनाम जैजर्साइजः दोनों में से कौन–सी एक्सरसाइज है ज्यादा लाभदायक

एरोबिक्स और जैजर्साइज दोनों ही ऐसी एक्सरसाइज हैं, जो शरीर को फिट रखने में मदद करती हैं। जहां एरोबिक्स में पारंपरिक व्यायाम शामिल हैं, वहीं जैजर्साइज में नाच–गाने का भी तत्व होता है। दोनों का अपना अलग–अलग महत्व और फायदे हैं। इस लेख में हम इनके बीच के अंतर और स्वास्थ्य पर पड़ने वाले प्रभावों की तुलना करेंगे, जिससे यह समझने में मदद मिलेगी कि आपके लिए कौन सी एक्सरसाइज बेहतर है।

एरोबिक्स क्या है?

एरोबिक्स एक ऐसी एक्सरसाइज है, जिसमें तेज गति वाले व्यायाम शामिल होते हैं। यह सांस लेने की प्रणाली को बेहतर बनाने और शरीर की ऊर्जा को बढ़ाने में मदद करता है।

एरोबिक्स में दौड़ना, तैरना, साइकिल चलाना आदि शामिल होते हैं। यह आपके दिल और फेफड़ों को मजबूत बनाता है, जिससे खून का संचार बेहतर होता है।

इसके अलावा यह वजन कम करने और मांसपेशियों को मजबूत करने में भी मदद करता है।

जैजर्साइज क्या है?

जैजर्साइज एक नाच–गाने पर आधारित एक्सरसाइज है, जिसमें विभिन्न प्रकार के संगीत और डांस स्टेप्स शामिल होते हैं। यह न केवल आपके दिल की धड़कन को बढ़ाता है बल्कि आपको मजेदार तरीके से फिट रखने में मदद करता है। जैजर्साइज करने से तनाव कम होता है और मानसिक सेहत बेहतर होती है। यह शरीर की लचीलापन को बढ़ाता है और कैलोरी बर्न करने में भी मदद करता है।

दोनों एक्सरसाइज का अंतरः एरोबिक्स और जैजर्साइज दोनों ही व्यायाम हैं, लेकिन इनके तरीके अलग हैं।

एरोबिक्स में पारंपरिक व्यायाम शामिल होते हैं, जबकि जैजर्साइज में नाच–गाने का तत्व होता है।

एरोबिक्स के लिए किसी विशेष उपकरण की आवश्यकता नहीं होती, जबकि जैजर्साइज में कभी–कभी विशेष उपकरणों का उपयोग किया जा सकता है।

दोनों का उद्देश्य शरीर को फिट रखना है, लेकिन इनके तरीके अलग–अलग हैं।

स्वास्थ्य पर प्रभाव

दोनों ही एक्सरसाइज का सेहत पर सकारात्मक प्रभाव पड़ता है। एरोबिक्स करने से दिल की बीमारियों का खतरा कम होता है और ब्लड प्रेशर नियंत्रित रहता है।

यह वजन कम करने और मांसपेशियों को मजबूत करने में मदद करता है। जैजर्साइज करने से तनाव कम होता है और मानसिक सेहत बेहतर होती है। यह शरीर की लचीलापन को बढ़ाता है और कैलोरी बर्न करने में भी मदद करता है।

इन दोनों में से किसे चुनें?: अब सवाल उठता है कि इन दोनों में से किसे चुनना चाहिए?

अगर आप पारंपरिक व्यायाम पसंद करते हैं तो एरोबिक्स बेहतर विकल्प हो सकता है, वहीं अगर आप मजेदार तरीके से फिट रहना चाहते हैं तो जैजर्साइज आजमा सकते हैं।

यह आपकी व्यक्तिगत रुचि और जरूरतों पर निर्भर करता है कि आप कौन–सी एक्सरसाइज चुनें। दोनों का उद्देश्य शरीर को फिट रखना है, लेकिन इनके तरीके अलग–अलग हैं।